Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 31 May 2023 ● Year : 01 ● Issue : 134 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-paper : e-paper.thephotonnews.com

सुविचार

पहली बार की सफलता हमारी किस्मत पर निर्भर हो सकती है लेकिन बार-बार की सफलता तो सिर्फ हमारी कड़ी मेहनत और लगन का ही परिणाम होता है।

एपीजे अब्दुल कलाम

रणबीर कपूर कर सकते हैं सौरव गांगुली की बायोपिक

SHARE

सेंसेक्स	:	62,969.13
निफ्टी	:	18,633.85

SARAFA

सोना	:	5,710
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

चेन्नई सुपर किंग्स की जीत पर मुख्यमंत्री ने कप्तान धोनी को दी बधाई

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आईपीएल में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स की जीत पर खुशी जताई है। साथ ही कप्तान एमएस धोनी को जोश भरे अंदाज में बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर चेन्नई सुपर किंग्स की जीत पर कप्तान एमएस धोनी को सराहते हुए लिखा है कि झारखंड का लाल, तमिलनाडु के आंखों का सितारा, रांची का राजकुमार, चेन्नई का थाला, जुग-जुग जियो झारखंडी शेर। आपकी कामयाबी पूरे देश की जीत है। यह देश की अनेकता में एकता का प्रमाण है।

खूंटी में कार से 106 किलो गांजा बरामद दो गिरफ्तार

KHUNTI : जिला पुलिस ने सोमवार को जरियागढ़ थाना क्षेत्र के नगड़ा गांव के पास एक कार से एक क्विंटल छह किलोग्राम गांजा बरामद किया है और वाहन पर सवार दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में हजारीबाग जिले के इचाक गिरी टोली गांव निवासी छोटन पासवान का पुत्र नागेंद्र कुमार पासवान उर्फ शुभम पासवान है और इचाक लोहार टोली के रेवा यादव का पुत्र सुजीत कुमार यादव शामिल है। इस संबंध में मंगलवार को एसपी अमन कुमार ने प्रेस कान्फ्रेंस में बताया गया कि सोमवार को पुलिस को जानकारी मिली कि जरियागढ़ थाना क्षेत्र के लापा गांव के एक व्यक्ति को धक्का मार कर एक सफेद रंग की कार(ओडी 02ओर 9412 भाग रही है। पुलिस ने कार का पीछा करते हुए नगड़ा गांव जानेवाले रास्ते में कार को पकड़ लिया। संदेह होने पर कार की तलाशी ली गई तो 106 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

पहलवानों ने गंगा में नहीं बहाए मेडल, सरकार को पांच दिन का अल्टीमेटम

PANIPATH : भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना देने वाले पहलवानों ने हर की पौड़ी में अपने मेडल गंगा में बहाने का फैसला टाल दिया है। पहलवान मेडल बहाने के लिए हरिद्वार पहुंचे थे। खबर लगते ही भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत वहां पहुंचे। पहलवानों से बात कर उन्होंने केंद्र सरकार को कार्रवाई के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। टिकैत ने पहलवानों से मेडल्स और मोमेंटो वाली पोटली भी ले ली है। उन्होंने कहा कि इन्हें राष्ट्रपति को देंगे। सभी खिलाड़ी हरिद्वार से घर के लिए रवाना हो गए। इससे पहले साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट करीब एक घंटे तक हर की पौड़ी में बैठकर मेडल पकड़े रोते रहे। उधर, मेडल बहाने के फैसले पर गंगा समिति पहलवानों के खिलाफ खड़ी हो गई थी। उनका कहना था कि ये (हर की पौड़ी) पूजा-पाठ की जगह है, राजनीति की नहीं। बता दें, ये पहलवान डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए जंतर-मंतर पर धरना दे रहे थे। रविवार को पुलिस से हुई झड़प के बाद ये जंतर-मंतर से लौट आए थे।

जैक 12वीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित

सृष्टि Commerce और कशिश Arts के Topper बने

▸ कॉमर्स में 88.06 प्रतिशत और आर्ट्स में 95.97 फीसदी स्टूडेंट पास ▸ कॉमर्स में लड़के और आर्ट्स में लड़कियां रहीं अव्वल

PHOTON NEWS, RANCHI : झारखंड अधिविध परिषद (जैक) ने मंगलवार को 12वीं कॉमर्स और आर्ट्स स्ट्रीम का रिजल्ट घोषित कर दिया। कॉमर्स में 25147 और आर्ट्स में में 225946 छात्रों ने सफलता हासिल की है। रिजल्ट जैक के ऑफिशियल वेबसाइट jacresults.com और jac.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है। उद्यान इंटर कॉलेज रांची की सृष्टि कुमारी 488 अंक लाकर कॉमर्स की स्टेट टॉपर बनी जबकि डीएवी इंटर कॉलेज कतरासगढ़ के कशिश प्रवीण आर्ट्स के स्टेट टॉपर रहे।

आर्ट्स विषय से धनबाद की कशिश परवीन 469 अंक लाकर टॉप किया है। लोहरदगा से दीक्षा कुमारी सेकंड टॉपर हुई हैं। आर्ट्स में रांची के सुधांसु कुमार ने तीसरा रैंक पाया है। इसी तरह कॉमर्स में सृष्टि कुमारी ने 480 अंक लाकर टॉप किया है। मोहिश परवीन 479 अंक सेकंड और 475 अंक के साथ रिया कुमारी थर्ड टॉपर बनी हैं।

इस साल इंटर आर्ट्स का रिजल्ट 95.97 प्रतिशत रहा है वहीं कॉमर्स का रिजल्ट 88.60 प्रतिशत रहा है। कॉमर्स के रिजल्ट में लड़कों ने बाजी मारी है। इनका पासिंग परसेंटेज 87.01 है। इसकी तुलना में लड़कियों का पासिंग परसेंटेज 90.61 है। कॉमर्स की परीक्षा में 15900 छात्र शामिल हुए थे। इसमें 13836 ने सफलता हासिल की है। वहीं, 12482 लड़कियों ने परीक्षा दी, जिसमें 11311 पास हुई हैं। आर्ट्स के रिजल्ट में लड़कियां आगे हैं। इस परिणाम में 96.58 प्रतिशत लड़कियां पास की हैं जबकि लड़कों के पास होने का प्रतिशत 95.12 है। परीक्षा में 94476 लड़के शामिल हुए और उनमें से 89875 लड़के पास हुए। 131470 लड़कियां परीक्षा में शामिल हुई जिनमें से 126981 लड़कियां पास हुई हैं। साल 2019 में परीक्षा परिणाम 79.97 प्रतिशत रहा था। 2020 में 82.53 प्रतिशत रहा। बात 2021 की करें तो इस साल 90.71 प्रतिशत बच्चे परीक्षा में सफल हुए। 2022 में 97.43 बच्चे परीक्षा पास किया।

झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से जारी इंटर कॉमर्स के परिणाम में फर्स्ट क्लास आने वाले बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस श्रेणी में 19891 बच्चे पास हुए हैं। द्वितीय श्रेणी में 5162 बच्चे पास हुए हैं। तृतीय श्रेणी की बात करें तो 94 बच्चे ही ऐसे हैं, जिन्हें यह रैंक मिला है। कॉमर्स में कुल 25147 बच्चे पास हुए हैं जबकि 28382 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। इंटर कॉमर्स की परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 28813 बच्चों ने आवेदन किया था।

चार साल में कॉमर्स का रिजल्ट : साल 2019 में परीक्षा परिणाम 70.44 प्रतिशत रहा था। 2020 में 77.37 प्रतिशत रहा। बात 2021 की करें तो इस साल 90.33 प्रतिशत बच्चे परीक्षा में सफल हुए। 2022 में 92.75 बच्चे परीक्षा पास किए हैं।

जैक 12वीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित करते अधिकारी। द फोटोन न्यूज

आर्ट्स टॉपर्स

कशिश परवीन (469 अंक)
दीक्षा साहू (465 अंक)
सुधांशु कुमार (464 अंक)

कॉमर्स टॉपर्स

सृष्टि कुमारी (480 अंक)
मोहिश परवीन (479 अंक)
रिया कुमारी (475 अंक)

मुख्यमंत्री ने छात्रों को दी बधाई

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्तीर्ण रहे सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी का भविष्य उज्ज्वल हो, यही कामना करता हूं। इस अवसर पर सीएम ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भी इस परिणाम के हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड एकेडमिक कॉउन्सिल (जैक) बोर्ड इंटर (आर्ट्स) और (कॉमर्स) परीक्षा में उत्तीर्ण होने सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

इन जिलों ने आर्ट्स में किया टॉप

हजारीबाग	:	98.47 फीसदी
सिमडेगा	:	98.38 प्रतिशत
खूंटी	:	98.04 प्रतिशत

कॉमर्स में जामताड़ा ने किया टॉप

कॉमर्स में जामताड़ा ने 97.36 प्रतिशत के साथ टॉप किया है। सबसे कम सरायकेला 77.94 प्रतिशत रहा।

आर्ट्स में सबसे ज्यादा सेकेंड डिवीजन

इंटर आर्ट्स के रिजल्ट में सबसे ज्यादा बच्चे सेकेंड डिवीजन से पास हुए हैं। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 230788 बच्चों ने आवेदन किया था। इनमें से 225946 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। फर्स्ट क्लास आने वालों की संख्या 97051 है। सेकेंड क्लास आने वाले बच्चों की संख्या 113018 है। थर्ड क्लास से पास करने वाले बच्चों की संख्या 6782 है। पांच बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने केवल परीक्षा में उत्तीर्णता हासिल की है। आर्टस में कुल 216856 बच्चे पास हुए हैं। आर्ट्स का पासिंग परसेंटेज 95.97 प्रतिशत रहा है।

प्रदीप यादव सहित राज्य के 16 ठिकानों पर ED का छापा

PHOTON NEWS, RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम कांग्रेस के पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव के ठिकानों सहित राज्य के 16 ठिकानों पर मंगलवार को एक साथ छापेमारी की। ईडी सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कई कागजात, नकद रुपये, कई इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किये गये हैं। सूत्रों ने बताया कि रांची में छह स्थानों पर ईडी की टीम ने छापेमारी की है। जबकि गोड्डा और दुमका में 10 स्थानों कुल 16 स्थानों पर छापेमारी की है। रांची में डोरंडा में विधायक प्रदीप यादव के आवास, धुर्वा स्थित पूर्व विधायक मनोज शर्मा के आवास स्थित वैष्णवी कंस्ट्रक्शन, बरियातू स्थित ठेकेदार शिवकुमार का अवास, बरियातू के हेरिटेज अपार्टमेंट तीन स्थानों पर छापेमारी की गयी है।

जबकि दुमका में शहर के खूंटाबांध स्थित निर्वतमान नगर उपाध्यक्ष सह पीएचईडी संवेदक बिनोद लाल और रसिकपुर मुहल्ला स्थित आवास पर पीएचईडी संवेदक अजय कुमार झा उर्फ मिक्की झा के घर पर ईडी की टीम ने छापेमारी की। इसके अलावा गोड्डा में विधायक प्रदीप यादव के अलावा उनके समर्थक राजस्व कर्मचारी मनोज अकेला, पीएचइडी के ठेकेदार श्यामाकांत यादव और विधायक के निजी सचिव दवेन्द्र पंडित के आवास पर छापेमारी कर रही है।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल चार नवंबर को आयकर विभाग ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव और अनूप सिंह के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान आयकर विभाग ने अनूप सिंह और प्रदीप यादव के कुछ करीबियों के यहां भी सर्च किया था। विधायक प्रदीप यादव के घर इनकम टैक्स की छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज बरामद किए गए थे।

छापामारी करने पहुंचे अधिकारी । द फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री से मिले सीआईआई के डिप्टी वाइस चेयरमैन

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) के ईस्टर्न रीजन के डिप्टी वाइस चेयरमैन एसके बेहरा (जमशेदपुर) ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर राज्य में उद्योगों के विकास और निवेश पर चर्चा हुई।

चाईबासा : नक्सलियों की साजिश नाकाम, 11 आईईडी को किया नष्ट

PASCHIMI SINGHBHUM : जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका और गोईलकेरा थाना क्षेत्र के मारादिरी, हाथीबुरू मेरालगढ़ा और छोटा कुईड़ा जंगल के आसपास मंगलवार को सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से नक्सलियों के लगाए गए 11 आईईडी बरामद हुआ। सभी आईईडी को उसी स्थान पर निष्क्रिय कर दिया गया गया।

पुलिस ने मंगलवार को सर्च अभियान के दौरान टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका के आसपास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों के लगाए पांच प्रेशर आईईडी बम, रास्ते में गड्ढा करके रखे गए लोहे का रॉड और तीर बरामद किया। इसी तरह गोइलकेरा थाना अंतर्गत मारादिरी, हाथीबुरु, मेरालगढा, छोटा कुईडा. क्षेत्र से पांच प्रेशर आईईडी बम एवं रास्ते में गड्ढा करके लोहे का रॉड और तीर बरामद किया। पुलिस ने यहां भी सभी बमों को बम निरोधक दस्ता के सहायता से नष्ट कर दिया। बरामद आईईडी में डेढ़ किलो का एक, आठ किलो का एक, एक-एक किलो का दो, तीन किलो का एक, छह किलो का एक, आठ किलो का एक, चार किलो का दो और छह-छह किलो का दो शामिल है। एसपी आशुतोष शेखर ने मंगलवार को बताया कि जिले के टोंटो थाना क्षेत्र 11 शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है। इसी सूचना पर टीम लगातार अभियान चला रही है।

बरामद केन बम। द फोटोन न्यूज

PLFI के जोनल कमांडर की AK56 राइफल बरामद, दो गिरफ्तार

PHOTON NEWS, KHUNTI : पुलिस ने सोमवार की रात जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मधुवन जंगल और रनिया थाना क्षेत्र में छापमारी कर पीएलएफआई के जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप की मैगजीन लगी एक 56 राइफल , 20 जिंदा कारतूस, हथियार बनाने वाली जंग लगी मशीन और अन्य सामान बरामद किये हैं।

अपने कार्यालय में मगलवार की शाम आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अमन कुमार ने बताया कि उन्हें मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापामारी कर जेल में बंद पीएलएफआई के जोनल कमांडर तलकेश्वर गोप की मैगजीन लगी एके 56 राइफल के साथ तिलेश्वर गोप के रिश्तेदार और पीएलएफआई के सक्रिय उग्रवादी जरियागढ़ के जारी गिरजाटोली गांव निवासी सागेन आईंद को गिरफ्तार किया।

उससे मिली जानकारी के आधार पर जरियागढ़ के साके टोली गांव निवासी गौतम गोप उर्फ जलवा को गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर एके-56 का 20 जिंदा गोली, पीएलएफआई का पर्चा और पीएलएफआई संगठन द्वारा गन फैक्ट्री के लिए मंगाई गई हथियार बनानेवाली लेथ मशीन और मिलिंग मशीन को रनिया के कोचा जंगल से बरामद किया गया।

एसपी ने बताया कि सोमवार को उन्हें यह गुप्त सूचना मिली थी जेल में बंद पीएलएफआई के जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप का निजी हथियार एके 56 राइफल जिसे जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मधुवन जंगल में छिपा कर रखा हुआ है। उसे आज रात तिलकेश्वर गोप का रिश्तेदार और संगठन सदस्य सागेन आईंद वहां से निकालकर संगठन के दूसरे सदस्यों नीलांबर गोप और विश्राम कोंगाड़ी को देनेवाला है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा एसडीपीओ ओमप्रकाश तिवारी के नेतृत्व में छापामार टीम का गठन किया गया।

छापामार टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मधवबन जंगल में छापामारी की गई और एके-56 राइफल के साथ सागेन आईंद को वहां से धर दबोचा। तिलेश्वर गोप का रिश्ते में साढू लगने वाले सागेन आईंद ने पुलिस को बताया कि पुलिस की बढ़ती छापेमारी और संगठन के कमजोर होने की स्थिति में जेल जाने से पूर्व पीएलएफआई जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप ने उसे वह हथियार छिपाकर रखने के लिए दिया था। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों की निशानदेही पर रनिया के कोचा जंगल से बरामद हथियार बनाने के लेथ मशीन और मिलिंग मशीन को लगभग आठ लाख की लागत से खरीद कर चार वर्ष पूर्व मंगाया गया था।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों उग्रवादियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। सागेन आईंद के विरुद्ध जिले के जरियागढ़ और रनिया थाने में आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में दो मामले दर्ज हैं, वहीं गौतम गोप उर्फ जलवा के विरुद्ध कर्रा, रनिया, तोरपा और जरियागढ़ थाना क्षेत्र में आर्म्स एक्ट, 17 सीएलए एक्ट सहित अन्य संगीन धाराओं में छह मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तार उग्रवादियों के साथ पुलिस अधिकारी । द फोटोन न्यूज

एके-56 का 20 जिंदा गोली, पीएलएफआई का पर्चा और पीएलएफआई संगठन द्वारा गन फैक्ट्री के लिए मंगाई गई हथियार बनानेवाली लेथ मशीन और मिलिंग मशीन को रनिया के कोचा जंगल से बरामद किया गया।

बरामद एके 56 राइफल। द फोटोन न्यूज

अभिभावकों में अपने बच्चे-बच्चियों के नामांकन को लेकर खासा उत्साह

झारखंड उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश परीक्षा में 37309 विद्यार्थी हुए शामिल

PHOTON NEWS, RANCHI : जमशेदपुर निवासी रूबी दास को अब उम्मीद है कि उनकी बेटी अंजना दास भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई कर सकेगी। रूबी दास होनहार बेटी को आर्थिक समस्या की वजह से सीबीएसई संबद्धता प्राप्त स्कूल में पढ़ाई कराने में सक्षम नहीं थी लेकिन मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू की गई उत्कृष्ट विद्यालयों ने बेटी को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त करने का रास्ता साफ कर दिया।

दरअसल, सरकार द्वारा शुरू किए गए उत्कृष्ट विद्यालयों में नामांकन के लिए मंगलवार को पूरे राज्य के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित चयन परीक्षा में शामिल हुए। झारखंड में पहली बार सरकारी स्कूलों का कायाकल्प कर उत्कृष्ट विद्यालय बनाने की मुख्यमंत्री के सार्थक प्रयास के बाद अभिभावकों में अपने बच्चे-बच्चियों के नामांकन को लेकर खासा उत्साह दिख रहा है। बड़ी संख्या में अभिभावकों द्वारा झारखंड सरकार की उत्कृष्ट विद्यालय की इस ऐतिहासिक पहल को सराहा जा रहा है।

हर ओर दिखा उत्साह : प्रवेश परीक्षा देने आए बच्चों और उनके माता-पिता में खासा उत्साह देखने को मिला था। कई माता-पिता के लिए यह भावुक क्षण भी था। उनका सपना साकार हो रहा था। गरीबी उनके बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने में आड़े नहीं आ रही थी। कुल 11986 उपलब्ध सीट के लिए चयन परीक्षा में कुल 37309 विद्यार्थी शामिल हुए। सबसे अधिक देवघर में 3915, पलामू में 3344, लोहरदगा 2517, चतरा में 2352, सरायकेला - खरसावां में 1818, गिरिडीह में 1693, पूर्वी सिंहभूम में 1638, रामगढ़ में 1607, रांची में 1554 विद्यार्थी शामिल हुए।

बढ़ाई गई थी आवेदन जमा करने की समय सीमा : अभिभावकों की मांग को देखते हुए उत्कृष्ट विद्यालयों में आवेदन जमा करने की समय सीमा 25 मई तक बढ़ाई गई थी। उसी के तहत मंगलवार को चयन परीक्षा का आयोजन हुआ। अब प्रथम मेधा सूची 7 जून को जारी होगा एवं 12 जून से मेधा सूची के अनुसार नामांकन प्रारंभ होगा।

विद्यालयों में नामांकन के लिए परीक्षा देने आये विद्यार्थी । द फोटोन न्यूज

लातेहार में दो लाख के इनामी JJMP एरिया कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

PHOTON NEWS, LATEHAR : झारखंड जनमुक्ति परिषद के एरिया कमांडर रघुनाथ सिंह उर्फ रघु ने मंगलवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उसपर सरकार ने दो लाख रुपये इनाम घोषित कर रखा था। वह लातेहार सदर थाना क्षेत्र के बेंदी गांव का रहने वाला है।

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि झारखंड सरकार के नई दिशा कार्यक्रम से प्रभावित होकर रघुनाथ सिंह ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि रघुनाथ सिंह विगत 5 वर्षों से जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के एरिया कमांडर के रूप में सक्रिय था। पुलिस को इसकी कई दिनों से तलाश थी।

रघुनाथ के परिजन भी पिछले कुछ दिनों से उसे आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। इसी बीच रघुनाथ पुलिस तथा सीआरपीएफ के अधिकारियों से संपर्क कर आत्मसमर्पण नीति की जानकारी ली। पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद मंगलवार को उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

चेक लेता नक्सली। द फोटोन न्यूज

राज्यपाल CP RADHAKRISHNAN ने किया रामगढ़ जिले का दौरा, ग्रामीणों से किया संवाद

महिलाएं आत्मनिर्भर होकर गढ़ सकती हैं परिवार का भविष्य : सीपी राधाकृष्णन

PHOTON NEWS RAMGARH

महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी तो वे अपने परिवार का बेहतर भविष्य बना सकती हैं। महिलाएं परिवार के साथ समाज को भी एक बेहतर दिशा दे सकती हैं। यह बातें मंगलवार को रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड अंतर्गत भुचूंगडीह पंचायत के दौरे पर पहुंचे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कही। यहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ पंचायत भवन में सीधा संवाद किया।

महिला को स्वीकृति पत्र देते राज्यपाल व उपस्थित उपायुक्त। ● द फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने महिलाओं के बीच सरकार की योजनाओं के प्रति जागरुकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं आत्मनिर्भर हो तो वे न केवल अपने बच्चों की शिक्षा, बल्कि अपने पूरे परिवार का अच्छा भविष्य सुनिश्चित कर सकती है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, विभिन्न पेंशन योजनाओं, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया। इस दौरान वैसे ग्रामीण जिन्हें किसी कारणवश योजना का लाभ नहीं मिल पाया है उन्हें लाभ दिलाने का निर्देश जिला प्रशासन को दिया।

कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने समूह से जुड़ने के उपरांत उन्हें हुए लाभ के बारे में राजपाल को जानकारी दी। राज्यपाल ने महिलाओं से जागरूक होने एवं अपने क्षेत्र के और लोगों को भी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने की अपील की।

आवास योजना के लाभुकों को दी गई स्वीकृति

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना अंतर्गत मंगोती देवी, फूलों झानो आशीर्वाद योजना अंतर्गत सविता देवी को 10 हजार का चेक, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत महिमा कुमारी को स्वीकृति पत्र, सोना सोबरन धोती साड़ी योजना के तहत धनेश्वरी देवी, बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत तरन्नुम आरा (मनरेगा के तहत 1,79,000 रुपये की स्वीकृति पत्र प्रदान किया। भुचुंगडीह पहुंचने पर उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चौथे ने पौधा देकर राज्यपाल का स्वागत किया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा पार्टी की रीढ़ : दीपक

PHOTON NEWS RANCHI

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा पार्टी की रीढ़ है। युवा जो कर सकता है वह कोई नहीं कर सकता। 2024 में पुनः केंद्र में मोदी की सरकार बनानी है। अगर भाजपा कमजोर होगी तो देश कमजोर होगा। ऐसे में युवाओं से आग्रह है कि पार्टी को मजबूत करने में अपनी सहभागिता निभायें। दीपक प्रकाश मंगलवार को हरमू स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बोल रहे थे।

मीडिया को संबोधित करते दीपक प्रकाश। ● द फोटोन न्यूज

पार्टी के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकताओं में असीम शक्तियां छिपी हुई हैं. जरूरत है उन शक्तियों को जागरूक करने की। केंद्र में नरेंद्र मोदीजी की सरकार के 9 वर्ष पूरे हो चुके हैं। देश हित में लायी गयी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना हम सब का उद्देश्य होना चाहिए। इस कार्य के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा अपनी अहम भागीदारी निभा सकता है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रोहित सहगल ने कहा कि वे पहली बार भगवान बिरसा की धरती पर आये हैं। बतौर मुख्य अतिथि ऐसे कार्यक्रम में आमंत्रित किये जाने पर उन्होंने झारखंड प्रदेश भाजयुमो की टीम को साधुवाद किया। भाजयुमो के प्रदेश प्रभारी विनय जायसवाल ने कहा कि भारत को युवाओं का देश कहा जाता है। हम सब युवाओं का दायित्व है कि देश की सेवा में अपनी भूमिका निभायें। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसे साकार करने में भारतीय जनता युवा मोर्चा अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता प्रदान करे।

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी ने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि आजादी के इस अमृत महोत्सव में मोदी सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल पूरे होने पर महाजनसंपर्क अभियान का हिस्सा बनने जा रहे हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा का एक-एक कार्यकर्ता केंद्र के कल्याणकारी योजनाओं को डोर टू डोर जाकर जनता को बताने का काम करेगा। हमें गर्व है कि हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं और आजीवन पार्टी में रखकर निस्वार्थ भाव से देश की सेवा करते रहेंगे।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में महामंत्री रूपेश सिन्हा एवं मनीष दुबे, प्रदेश मंत्री पूजा सिंह, भाजपा प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी विनय जयसवाल, सभी जिलों के अध्यक्ष, प्रभारी एवं पदाधिकारीगण भी मौजूद थे।

महा जनसंपर्क अभियान को लेकर गढ़वा-पलामू के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

बैठक में शामिल भाजपा के कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में महा जनसंपर्क अभियान को लेकर गढ़वा एवं पलामू जिला के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई।

बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्य अतिथि सहित सभी गणमान्य नेताओं ने पुष्पांजलि कर की। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि महा जनसंपर्क अभियान के प्रमंडलीय प्रभारी गणेश मिश्रा उपस्थित हुए। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक एवं बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र विश्वकर्मा ने किया।

अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष ने महा जनसंपर्क अभियान की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं अब तक किए गए कार्यों से मुख्य अतिथि समेत बैठक में शामिल सभी पदाधिकारियों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की बारीकियों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए प्रत्येक तारीखों को तय कार्यक्रम के अनुसार सफलतापूर्वक कार्यक्रम करने का सुझाव दिया। धन्यवाद ज्ञापन गढ़वा जिला के जिला महामंत्री विकास स्वदेशी ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

CM एक जून को करेंगे जोहार पोर्टल पर अपलोड परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जोहार पोर्टल पर अपलोड झारखंड की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा एक जून को करेंगे। इस बाबत राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव व विभागाध्यक्षों को पत्र लिखा है ओर जोहार पोर्टल पर अपने विभाग से संबंधित सारी परियोजनाओं की प्रगति को अपलोड करने का समय दिया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की फाईल फोटो।

प्रोजेक्ट भवन में होने वाली इस समीक्षा में राज्य के मुख्यमंत्री मुख्य रूप से पथ निर्माण विभाग, भवन निर्माण, पेयजल, ग्रामीण कार्य, ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की गति की जानकारी प्राप्त करेंगे। अधिकारियों को इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में समय-सीमा पर काम करने के लिए लक्ष्य भी देंगे।यह भी देखा जायेगा कि तीन-चार से जो योजनाएं चल रही हैं, वह अभी तक क्यों नहीं पूरी हुई। सीएस ने विभाग के अधिकारियों को यह भी कहा कि जिन परियोजनाओं को पूरा करने में बाधा आ रही है उसकी पूरी विवरणी भी जोहार पोर्टल में अपलोड करें।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने सरकारी योजनाओं को गति देने के लिए जोहार परियोजना पोर्टल शुरू किया है, जिसमें नियमित रूप से सभी विभागों को परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट अपलोड करना है। मुख्य सचिव हर माह इसकी समीक्षा करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं को गति प्रदान करना और समय पर पूरा कराना है। विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्या को दूर करने के लिए सामंजस्य बैठाकर काम करना है। वनभूमि क्लीयरेंस, जमीन अधिग्रहण, यूटिलिटी शिफ्टिंग इत्यादि को समय पर कराने के लिए भी यह पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सीटू के स्थापना दिवस पर छह जून को रांची चलो का आह्वान

मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सीटू का संघर्ष जारी रहेगा : संजय पासवान

PHOTON NEWS KODARMA

सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) का 53 वां स्थापना दिवस के अवसर पर श्रम और पूंजी के संघर्ष में मजदूरों की एकता को और मजबूत किए जाने का और शासक वर्ग के तमाम षड्यंत्रों को ढ़ाहते हुए आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

छह जून को रांची में श्रम विभाग नेपाल हाउस के समक्ष आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया। इस अवसर पर झुमरीतिलैया के वार्ड नंबर एक के अंतर्गत मजदूर बस्ती नरेश नगर में सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने हंसुआ हथौड़ा युक्त लाल झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरूआत किया।

प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

सीटू नेता ने मजदूर आंदोलन की एकता और संघर्ष के 53 साल के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा कि देश के सबसे जुझारू और संघर्षशील मजदूर संगठन सीटू की इन सफलताओं में सैकड़ों कार्यकताओं व नेताओं की कुबार्नी है। अपनी जान तक गंवाकर भी लाल झण्डा उठाए रखने का योगदान है। 1970 मे अगर सीटू नहीं बनता तो बहुत मुमकिन था कि देश का श्रमिक आंदोलन अपनी धार ही नहीं बल्कि अस्तित्व भी खो बैठता।

भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को खोखला कर जनता के विशाल बहुमत पर भारी मुसीबतों का बोझ डाल दिया है। इनकी नीतियां न केवल हमारी अर्थव्यवस्था बल्कि हमारे देश की एकता और अखंडता के लिए भी विनाशकारी साबित हुई है।

बेगूसराय में केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री ने किया प्रेसवार्ता को संबोधित

मोदी सरकार के नौ साल देश के लिए बेमिसाल, सेवा और सुशासन से भारत बन रहा है विश्व गुरु : गिरिराज सिंह

AGENCY BEGUSARAI

केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में राष्ट्र प्रथम से विकास के बढ़ाए गए कदम की बदौलत पूरा किया नौ साल साधारण नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का नौ साल है।

मंगलवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार के यह नौ साल देश के लिए बेमिसाल साबित हुए हैं। इस नौ साल में विकास के बढ़ाए गए कदम की बदौलत भारत विश्व गुरु बनने के लिए अग्रसर हो गया है। 2014 में देश का जीडीपी 2.68 था जो 3.2 हो गया है। भारत अर्थव्यवस्था के मामले में दशवें से पांचवें नंबर पर आ गया है।

विदेशी मुद्रा कोष 36 मिलियन डॉलर से बढ़कर 85 मिलियन डॉलर हो गया है। एफडीआई 36 मिलियन डॉलर से बढ़कर एक सौ मिलियन डॉलर का हो गया है। 19 लाख करोड़ का होने वाला एक्सपोर्ट 70 से 75 लाख करोड़ का हो गया है। देश की इकोनॉमी काफी तेजी से बढ़ी है। स्टार्टअप का लोग पहले नाम भी नहीं सुनते थे।

मीडिया को संबोधित करते गिरिराज सिंह व उपस्थित अन्य। ● द फोटोन न्यूज

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 25 हजार से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए, जिसमें 125 यूनिकॉर्न हो गया है। रेल, सड़क और जलमार्ग में तेजी से वृद्धि हुई है। पहले जहां रोज 10 से 11 किलोमीटर सड़क बनता था, आज 40 किलोमीटर बन रहा है। सभी काम पारदर्शिता के साथ हो रहे हैं। कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम केंद्र से एक रुपया भेजते हैं तो 15 पैसा पहुंचता है। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने एक रुपया भेजा तो वह एक रुपया लाभुकों तक पहुंचा।

32 लाख करोड़ डीबीटी से सरकार को तीन लाख करोड़ की बचत हुई। डिजिटल ट्रांजैक्शन में दुनिया में भारत पहले नंबर पर आ गया है। किसी ने सोचा भी नहीं था कि भारत वैश्विक स्तर पर योग का लीडर बनेगा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने कहा था "एक हाथ में कमल लिए एक हाथ..।" उस भविष्य द्दष्टा का लिखा गया आज सच हो रहा है। भारत रिन्यूएबल एनर्जी में पहले नंबर पर पहुंच रहा है। आतंकवाद के खिलाफ हमने जो लड़ाई लड़ी, वह दुनिया देख रहा है।

देश में 40 करोड़ मुद्रा लोन दिए गए, जिसका वैल्यू 23 लाख करोड़ है, इसमें 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। बिहार में चार करोड़ मुद्रा लोन दिए गए, जिसका वैल्यू 1.6 लाख करोड़ है, यहां भी 70 प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिला। बेगूसराय में 3.22 लाख मुद्रा लोन दिए गए। जनधन योजना शुरू किए जाने पर लोगों ने मजाक उड़ाया था, कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। देश के 50 करोड़ जनधन खाते में दो लाख करोड़ जमा है, 27 करोड़ महिलाओं ने जनधन खाता खोला। बिहार में छह करोड़ जनधन खाता में 40 हजार करोड़ जमा है। बेगूसराय में भी 15 लाख जनधन खाता खोला गया।

2014 में इंफ्रास्ट्रक्चर पर 49.2 लाख करोड़ खर्च होते थे, आज एक सौ लाख करोड़ से अधिक खर्च हो रहा है। कैपिटल इंफ्रास्ट्रक्चर 13 लाख करोड़ से बढ़कर 36 लाख करोड़ हो गया है। टोटल सब्सिडी 13.9 लाख करोड़ के बदले 30 लाख करोड़ दिया गया। हेल्थ एंड एजुकेशन में छह लाख करोड़ खर्च होते थे, आज 13 लाख करोड़ खर्च हो रहा है। 16 लाख करोड़ का बजट बढ़कर 45 लाख करोड़ हो गया है। 11 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है।

आजीविका मिशन के तहत दो करोड़ 31 लाख लाभुक थे, आज लाभुकों की संख्या नौ करोड़ से अधिक हो गई है, दिसम्बर तक यह दस करोड़ करने का लक्ष्य है। बैंक लिंकेज 21 हजार करोड़ से बढ़कर छह लाख 60 हजार करोड़ हो गया है। एनपीए 9.58 प्रतिशत से घटकर 1.08 प्रतिशत पर आ गया है। नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो 250 जिलों में ऋण पर सब्सिडी शुरू किया गया और आज देश के हर जिले में सब्सिडी दिया जा रहा है। 2014 तक देश में सात एम्स थे, आज 23 एम्स हो गए। मेडिकल कॉलेज की संख्या 641 से बढ़कर 1341 हो गया और हर जिला में मेडिकल कॉलेज खोले जाने का संकल्प है।

मेडिकल सीट 69663 से बढ़कर 152129 हो गया है। आईआईटी की संख्या सात से बढ़कर 23 हो गई, आईआईएम सात से 20 हो गए, विश्वविद्यालय की संख्या 390 से बढ़कर 1113 हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आयुष्मान भारत योजना से 33 करोड़ परिवार इससे जुड़ चुके हैं, बिहार में एक करोड़ से अधिक परिवार इस योजना से जुड़े हैं। हेल्थ केयर पर होने वाला खर्च 1042 से बढ़कर 21 सौ प्रति व्यक्ति हो गया है। गरीब कल्याण के लिए काफी प्रयास किए गए। पूर्व की सरकार ने 29 साल में 3.25 करोड़ घर बनाया। नरेन्द्र मोदी नौ साल में चार करोड़ घर बना चुके हैं, बिहार में भी 40.22 लाख घर बना।

BRIEF NEWS

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मां छिन्नमस्तिके की पूजा अर्चना कर मांगा आशीर्वाद

पूजा अर्चना के बाद दीपक प्रकाश व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

RAMGARH : भारतीय जनता पार्टी के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश सपरिवार एवं प्रदेश मंत्री सुबोध कुमार सिंह मंगलवार को रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे। रजरप्पा पहुंचने पर यहां पर उन्होंने विधिवत रूप से मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर मां भगवती के आगे माथा टेककर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद नारियल बलि देकर पंडित द्वारा रक्षा सूत्र भी बंधवाए। पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी राकेश पंडा ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना करवाया। इस दौरान उन्होंने मां के दरबार में राज्य और देश की खुशहाली की कामना की। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार मेहता, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, गणेश प्रसाद, रमेश प्रसाद, बबलू साव, अशोक कुमार सहित कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

भाकपा-माले जिला कमिटी की बैठक संपन्न

RAMGARH : भाकपा-माले रामगढ़ जिला कमिटी की बैठक पोचरा वनजारी धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव-भुनेश्वर बेदिया ने किया। इस बीच 9 जून बिरसा मुंडा शहादत दिवस और 30 जून को सिद्धू-कान्हू हूल दिवस कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा हुई। बैठक में जिला कमिटी सदस्य हीरा गोप, देवकीनंदन बेदिया, सरयू बेदिया,अमल कुमार, नीता बेदिया, जयनंदन गोप, देवानंद गोप, बिगेन्द्र ठाकुर, नरेश बडाईक,करमा मांझी,लाली बेदिया अन्य साथीगण उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत पार्टी के बैजनाथ दास शर्मा और शेखर राय के प्रति एक मिनट का श्रद्धांजलि अर्पित से की गई। बैठक में दिल्ली जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों के द्वारा चल रहे धरना-प्रदर्शन के माध्यम से बलात्कारी बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे महिला पहलवानों के ऊपर दमनात्मक कार्रवाई की निंदा करती है। पार्टी निर्माण के पहलू पर पार्टी की सदस्यता बढ़ाने से लेकर सभी सदस्यों को ढांचों से बांधने के लिए ब्रांच, लोकल कमिटीयों का गठन यथाशीघ्र जून तक पूरा कर करने का निर्णय हुआ। पार्टी ढांचों में महिलाओं को जोड़ना जरुरी है। सभी ब्रांचों में कम से कम एक लोकयुद्ध का होना अनिवार्य है। पार्टी का विस्तार और मजबूत कैसे बनाया जाय इस पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श किया गया। ग्रामीण गरीबों दलित-आदिवासी, मजदूरों के बीच रहकर काम करना और उनकी समस्याओं पर संगठित कर आंदोलन करने पर जोर दिया गया। साथ ही सदस्यों की पार्टी शिक्षा के लिए जिला में एक क्लास आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी जनसंगठनों में ऐपवा, आयसा, आरवाईए, निर्माण मजदूरों से संबंधित यूनियन की राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी के लिए जन-संगठनों की सदस्यता अभियान चलाने और जनमुद्दों पर आंदोलन को तेज करने पर बल दिया गया है। पार्टी साहित्य की पठन-पाठन करने पर जोर दिया गया है।

झामुमो की बैठक में सदस्यता अभियान पर चर्चा

KHUNTI : कर्रा प्रखण्ड के के जलटंडा ग्राम में मंगलवार को झामुमो किसान मोर्चा की हुई बैठक में राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय समिति सदस्य हेमन्त तोपनो ने की। बैठक में पार्टी का जयगरुकता अभियान चलाने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोडने का निर्णय लिया गया। मौके पर केन्द्रीय समिति सदस्य सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुशील पहान, प्रकाश मुण्डा, बीरेन्द्र कुमार, धुनसुली पंचायत अध्यक्ष रूपचंद कंडुलना, कर्रा प्रखण्ड उपाध्यक्ष सामुएल सांगा, जॉर्ज सांगा आदि उपस्थित थे।

नमामि गंगे योजना को लेकर हस्ताक्षर अभियान आयोजित, राज्यपाल ने किया हस्ताक्षर

RAMGARH : नमामि गंगे योजना के तहत 28 से 31 मई तक रामगढ़ जिले में मनाए जा रहे हैं मिशन लाइफ कैपेन के तहत मंगलवार को मां छिन्नमस्तिका सिद्ध पीठ, रजरप्पा मंदिर परिसर में हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान राज्यपाल सी.पी राधा कृष्णन ने हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की। इसके उपरांत विधायक जमशेदपुर पूर्वी सरयू राय, मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं व अन्य लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया। मौके पर श्रद्धालुओं व आम जनों को नमामि गंगे योजना के उद्देश्यों एवं गंगा और उसकी सहायक नदियों सहित अन्य नदियों व जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।

जयनगर में भाकपा का धरना और प्रदर्शन

KODARMA : भाकपा अंचल कमेटी जयनगर ने मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के पूर्व पेठियाबागी चौक से जुलूस निकाला गया। धरनास्थल पर पहुंचकर अंचलाधिकारी ने 12 सूत्री मांग पत्र लिया। जुलूस का नेतृत्व अंचल मंत्री अर्जुन यादव, ब्रह्मदेव दास, महेश प्रसाद सिंह कर रहे थे। जुलूस के दौरान जयनगर बीडीओ सीओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। जुलूस प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर धरना में तब्दील हो गया। धरना की अध्यक्षता जिला कार्यकारिणी सदस्य पूर्व उप प्रमुख विरेंद्र यादव ने किया। धरना को हजारीबाग के पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, भाकपा राज्य मंत्री महेंद्र पाठक, भाकपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य महादेव राम, भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने संबोधित किया। इन नेताओं ने कहा कि झारखंड में ट्रांसफर पोस्टिंग उद्योग बन गया है। नौकरशाही लोकशाही पर हावी है। जयनगर अंचल में दाखिल खारिज जमीन ऑनलाइन तथा रसीद निर्गत करने में भयंकर कमीशन खोरी चल रहा है। धरना को पुरुषोत्तम यादव, महेश प्रसाद सिंह, एटक की प्रदेश उपाध्यक्ष सोनिया देवी, अखिल भारतीय नौजवान संघ के जिलाध्यक्ष रंजन कुमार रजक, जिला सचिव कयूम उद्दीन, दुर्गा राय, अंचल मंत्री अर्जुन यादव, अंचल मंत्री रामेश्वर यादव, राजेंद्र रजक ने भी संबोधित किया।

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

RANCHI : भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने गोड्डा से भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। ट्वीटर पर मुख्यमंत्री के अलावा झारखंड पुलिस, देवघर डीसी और देवघर पुलिस को भी टैग कर इसकी जानकारी दी है। बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में राजनेताओं, एमपी, एमएलए पर हमले, हिंसा का इतिहास रहा है। ऐसे में सांसद निशिकांत दुबे की सुरक्षा में की जा रही कोताही स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मालूम रहना चाहिए कि निशिकान्त दुबे संताल परगना में हो रही भयानक घुसपैठ, गौ हत्या, जमीन माफिया एवं दलालों और अवैध खनन माफियाओं के विरुद्ध लंबे समय से आवाज बुलंद कर रहे हैं। पर उनसे निजी द्वेष के कारण सरकार उन्हें सुरक्षा मुहैया नहीं करा रही है वह भी तब जब गृह मंत्रालय ने समय समय पर इस संबंध में जरूरी आदेश (30 जुलाई, 2015 और 15 मई 2021) कर रखे हैं। बाबूलाल ने उम्मीद जताते हुए कहा कि है कि मुख्यमंत्री को इस संबंध में उनके लिखे इस पत्र के बाद वे राजनीतिक विद्वेष को पीछे छोड़ देंगे। किसी अनहोनी की प्रतीक्षा किए बिना निशिकान्त दुबे को सुरक्षा उपलब्ध कराएंगे।

BRIEF NEWS

रांची के पुंदाग स्टेशन पर होगा 19 ट्रेनों का ठहराव

RANCHI : आनंद मार्ग धर्म महासम्मेलन के मद्देनजर पुदांग में ट्रेनों का ठहराव होगा। इस संबंध में रेलवे बोर्ड ने 19 ट्रेनों को पुंदाग स्टेशन पर रुकने की अनुमति दी है। इससे यात्रियों को आसानी होगी। इन ट्रेनों में धनबाद-रांची इंटरसिटी, रांची-भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस, हटिया-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस, हावड़ा-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस, रांची-दुमका एक्सप्रेस, हटिया-पूर्णिया कोर्ट कोशी एक्सप्रेस, हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस, राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को सात जून तक ठहराव की अनुमति दी गयी है। हटिया से गोरखपुर जाने वाली मौर्य एक्सप्रेस अब दाउदपुर में भी रुकेगी। चार जून से दोनों ओर से चलने वाली ट्रेनों का ठहराव शुरू हो जाएगा। रेलवे ने इससे जुड़ी सूचना जारी कर दी है। रेलवे ने 30 मई और एक जून को धनबाद रेल मंडल के पहाड़पुर व टनकुप्पा के बीच ट्रैफिक ब्लॉक स्थगित कर दिया है। इस वजह से अब ट्रेनें सामान्य रूप से चलेंगी। ब्लॉक के कारण रेलवे ने आसनसोल-वाराणसी मेमू एक्सप्रेस को दोनों को ओर से रद्द कर दिया था। अब यह ट्रेन पूर्ववत चलेगी।

रेल राज्यमंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे 14 जून को पहुंचेंगे चाईबासा

RANCHI : केंद्रीय रेल राज्यमंत्री राव साहेब पाटिल दानवे दो दिवसीय चाईबासा दौरे पर 14 जून को पहुंचेंगे। यह जानकारी भाजपा के जिला अध्यक्ष सतीश पुरी ने दी। उन्होंने बताया कि आगामी 14 जून और 15 जून को राव साहेब दानवे जिले में पूर्व से पार्टी के निर्धारित संगठनात्मक कार्यक्रमों में लेंगे। इस दौरान कार्यकताओं को संगठन की संरचना एवं महा जनसंपर्क अभियान को रेल राज्य मंत्री मार्गदर्शीत करेंगे। साथ ही सभी कार्यकताओं से मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए रणनीति बनाते हुए कार्यकताओं को उत्साहित करेंगे।

रिम्स में इलाज के दौरान कैदी की मौत

RANCHI : रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान रिम्स में इलाज के दौरान कैदी बाबू चंद राम (62) की मौत हो गई। वह रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र के बड़की पोना गांव का रहने वाला था। उसे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में 22 मई को तबीयत बिगड़ जाने के बाद रिम्स में भर्ती किया गया था। शरीर में इन्फेक्शन होने के कारण कई अंग काम करना बंद कर दिया था। क्रिटिकल केयर के इंचार्ज डॉ पीके भट्टाचार्य की देखरेख में कैदी का इलाज चल रहा था। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार के जेल अधीक्षक ने रिम्स अधीक्षक डॉ हीरेन बिरूआ को पोस्टमार्टम प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का आग्रह किया था, जिसके बाद पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई गई।

मैट्रिक और इंटर के टॉप-3 विद्यार्थियों की कॉपी वेबसाइट पर जारी करेगा जैक

RANCHI : झारखंड अधिविध परिषद (जैक) ने मंगलवार को 12वीं कॉमर्स और आर्ट्स स्ट्रीम का रिजल्ट घोषित कर दिया। कॉमर्स में 25147 और आर्ट्स में में 225946 छात्रों ने सफलता हासिल की है। उद्यान इंटर कॉलेज रांची की सृष्टि कुमारी 488 अंक लाकर कॉमर्स की स्टेट टॉपर बनी जबकि डीएवी इंटर कॉलेज कतरासगढ़ के कशिश प्रवीण आर्ट्स के स्टेट टॉपर रहे। जैक अध्यक्ष अनिल कुमार महतो ने बताया कि झारखंड बोर्ड के वैसे विद्यार्थियों की कॉपी को झारखंड एकेडमिक काउंसिल की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

PLFI सुप्रीमो दिनेश गोप को NIA कोर्ट ने भेजा जेल

PHOTON NEWS, RANCHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप को रांची की एनआईए कोर्ट में मंगलवार को पेश किया। आठ दिन की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद दिनेश गोप को एनआईए के विशेष न्यायाधीश मधुरेश प्रसाद वर्मा की कोर्ट में पेश किया गया है। अदालत ने गोप को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया।

इससे पूर्व एनआईए ने दिनेश गोप का मेडिकल कराया और कोर्ट में पेश किया। इस दौरान एनआईए कोर्ट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। कोतवाली इंस्पेक्टर और डीएसपी जवानों के साथ सुरक्षा में तैनात थे।

एनआईए कोर्ट से जेल जाता दिनेश गोप। द फोटोन न्यूज

उल्लेखनीय है कि पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए ने 21 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया था। उसके खिलाफ झारखंड, बिहार और ओडिशा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआई के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। झारखंड पुलिस ने दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआईए ने पांच लाख का इनाम घोषित किया था।

एनआईए ने 22 मई को दिनेश गोप को कोर्ट में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी। अदालत ने दिनेश गोप को आठ दिनों के रिमांड पर एनआईए को सौंपा था। पूछताछ के दौरान एनआईए ने कई हथियार और गोलियां भी बरामद की हैं।

सीसीएल का ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल और क्रिकेट प्रशिक्षण कैंप शुरू

RANCHI : सीसीएल गांधीनगर मैदान में आज मंगलवार से बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल एवं क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया, जो 11 जून तक चलेगा। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि और डीएवी गांधीनगर के प्रिंसिपल एस के सिन्हा ने किया। शिष्ट अतिथि के रूप में सीसीएल के एस के गैवाल उपस्थित रहे। कैंप के जरिये 100 बच्चे वॉलीबाल एवं क्रिकेट का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। मुख्य अतिथि एस के सिन्हा ने बच्चों को खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और शारीरिक गतिविधियों के महत्व को समझाया। वॉलीबाल का प्रशिक्षण एन के पाठक, राहुल और सतीश कुमार द्वारा दिया जा रहा है। वहीं क्रिकेट का प्रशिक्षण रवि परिदा और जीशान खान दे रहे हैं।

पूर्व विधायक के घर पर ED की छापेमारी

इयी घर में ईडी ने छापामारी की। द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS, RANCHI : बिहार के औरंगाबाद जिले के गोह विधानसभा सीट के पूर्व विधायक मनोज शर्मा के रांची के धुर्वा स्थित क्वार्टर नंबर ए/5 में छापेमारी के लिए ईडी की टीम मंगलवार को पहुंची। ईडी घर के सामानों को खंगाल रही है। बताया जा रहा है कि मनोज शर्मा के आवास पर वैष्णवी कंस्ट्रक्शन का ऑफिस है। छापेमारी में घर के अंदर कई ऐसे लॉकर मिले, जो बंद थे। हालांकि, घर के लोगों ने लॉकर की चाभी ईडी की टीम को नहीं दी। इसके बाद ईडी ने एक युवक को बुलाकर लॉकर खुलवाया। ईडी की टीम कागजात सहित अन्य सामानों को खंगाल रही है।

बकोरिया मुठभेड़ मामले में स्पेशल कोर्ट में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकृत

PHOTON NEWS, RANCHI : सीबीआई के एसडीजेएम प्रवीण उरांव की कोर्ट ने बकोरिया मुठभेड़ मामले की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है। मंगलवार को सीबीआई के कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट को लेकर बहस हुई। अब मामले में आगे कोई जांच नहीं होगी।

बकोरिया मुठभेड़ से जुड़े शिकायतकर्ता जवाहर यादव रांची सीबीआई कोर्ट में प्रस्तुत हुए। क्लोजर रिपोर्ट स्वीकृत होने के बाद मुठभेड़ के शिकायतकर्ता जवाहर यादव ने कहा कि रिपोर्ट के तथ्यों से वह हाई कोर्ट को अवगत कराएंगे। मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जायेंगे। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के बाद सीबीआई कोर्ट ने शिकायतकर्ता को अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा था।

उल्लेखनीय है कि 8 जून, 2015 को पलामू के सतबरवा प्रखंड के भलवाही घाटी में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में माओवादी कमांडर अनुराग और उसका बेटा, भतीजा, पारा शिक्षक उदय यादव सहित 12 की जान गई थी। सुरक्षाबलों ने सभी को मुठभेड़ में मार गिराने का दावा किया था। मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए पारा शिक्षक उदय यादव के पिता जवाहर यादव ने हाई कोर्ट में पीआईएल दायर किया था। हाई कोर्ट के निर्देश पर दिसंबर 2018 से सीबीआई बकोरिया मुठभेड़ की जांच कर रही थी। 19 अप्रैल को सीबीआई ने कोर्ट में बकोरिया मुठभेड़ मामले की क्लोजर रिपोर्ट सौंपी थी।

फायरिंग मामले में हथियार बरामद करने में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS, RANCHI : हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के लेक रोड में पारिवारिक विवाद में सोमवार रात हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने साहेब उर्फ ताल्हा को गिरफ्तार किया है। मंगलवार दोपहर को पुलिस आरोपित युवक को लेकर बड़ा तालाब पहुंची और फायरिंग किये हुए पिस्टल को बरामद करने में जुटी है। युवक की निशानदेही पर बड़ा तालाब में हथियार खोजने का प्रयास किया गया, लेकिन हथियार बरामद नहीं हुआ। आरोपित युवक का कहना है कि फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद वह बड़ा तालाब में पिस्टल फेंककर फरार हो गया था।

दो पक्षों में पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसको लेकर ही गोलीबारी हुई थी। इस संबंध में पीड़ित मोहम्मद इरफान ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवायी है। दर्ज एफआईआर के अनुसार, परिवारिक विवाद को लेकर जान से मारने की नियत से साहेब उर्फ ताल्हा हथियार लेकर पहुंचा था और घर पहुंच कर दो से तीन राउंड फायरिंग की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था।

फायरिंग किये हुए पिस्टल को बरामद करने में जुटी पुलिस। द फोटोन न्यूज

झारखंड में वज्रपात का Alert जारी

PHOTON NEWS, RANCHI : झारखंड में बदले मौसम के मिजाज की वजह से कई जिलों में लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई जगहों पर वज्रपात भी हुआ। बीते सप्ताह वज्रपात से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को भी दिनभर धूप-छांव का खेल जारी रहा।

विभाग ने मौसम के बदलते रुख को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की गई है। विभाग ने कहा कि लोग इस मौसम को देखते हुए सुरक्षित स्थानों में शरण ले। कोई भी पेड़ के नीचे या खंभे के पास ना रहे। किसानों से खास अपील की गई है कि वे खेतों में ना जाएं, जब तक मौसम सामान्य नहीं हो जाता है। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि राज्य के उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में बारिश के आसार हैं। रांची, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुछ भागों में बारिश होगी। पूवार्नुमान के मुताबिक अगले एक से तीन घंटे में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघगर्जन के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान वज्रपात की भी आशंका है। कुछ स्थानों पर 30-40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 31 मई को आसमान में बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम शुष्क रहेगा। एक जून और दो जून को आसमान साफ रहेगा। इसके साथ तीन और चार जून को तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की जायेगी।

Ranchi जिला ग्रीष्मकालीन मलखंब प्रशिक्षण शिविर संपन्न

अपने प्रमाण पत्र के साथ प्रशिक्षणार्थी। द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS, RANCHI : रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण धुर्वा के सेक्टर दो स्थित बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में किया गया था।

इस दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन मलखंब प्रशिक्षण शिविर में पूरे रांची जिले से लगभग सत्तर बालक-बालिकाओं को मलखंब खेल के तहत पोल मलखंब, रोप मलखंब, हैंगिंग मलखंब एवं पिरामिड का बारीकी से अभ्यास कराया गया। सर्वप्रथम सभी खिलाड़ियों को जेनरल वार्मअप के बाद जमीन पर सभी प्रकार के योगासन का अभ्यास एवं सूर्य नमस्कार के माध्यम से खिलाड़ियों के शरीर को लचीलापन बनाने पर ज्यादा जोर दिया गया। तत्पश्चात सभी खिलाड़ियों को पोल,रोप, हैंगिंग मलखंब का बेसिक जानकारी दी गई। साथ ही एक एक कर कौशल्य की जानकारी देते हुए अभ्यास कराया गया। प्रतिदिन सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षक अजय झा, राष्ट्रीय खिलाड़ी विवेक कुमार,अनुशिखा कुमारी, रशिम कुमारी, नवनियुक्त प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा शिक्षक पूनम एक्का, अनीता कुमारी, राजीव उरांव, जयंती एक्का, कुलदीप सोरेंग ने पूर्ण रूप से सहयोग किया।

समापन समारोह के अवसर पर रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय झा, रांची जिला मलखंब संघ के महासचिव आशुतोष द्विवेदी एवं खेल प्रेमी अमीत साहू ने संयुक्त रूप से सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

डिप्लोमा-इन-फार्मेसी परीक्षा को लेकर नौ जून तक निषेधाज्ञा लागू

PHOTON NEWS, RANCHI : राज्य में डिप्लोमा-इन-फामेर्सी की परीक्षा नामकुम स्थित वाईबीएन यूनिवसिटी में 30 मई से नौ जून तक आयोजित है। परीक्षा प्रत्येक दिन प्रथम पाली नौ बजे पूर्वाह्न से 12 बजे मध्याहन तक और द्वितीय पाली दो बजे अपराह्न से पांच बजे अपराह्न तक होगी। परीक्षा के मद्देनजर इस दौरान सुबह छह बजे से अपराह्न आठ बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गयी है।

जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने एवं विधि-व्यवस्था को लेकर डीसी और एसएसपी की ओर से पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा में संलग्न छात्र एवं उनके अभिभावक परीक्षा केन्द्र पर भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा कर सकते हैं। इस आशंका को देखते हुए एसडीओ सदर की ओर से धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गयी है। जारी निषेधाज्ञा में पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होने पर पांबदी रहेगी। साथ ही इस दौरान वहां किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र लेकर चलने और किसी प्रकार की बैठक करने एवं किसी भी प्रकार सभा का आयोजन करना वर्जित रहेगा।

रॉकमैन प्रीमियर लीग में पैंथर ने चैलेंजर्स को 6 रन से दी शिकस्त

PHOTON NEWS, RANCHI : रॉकमैन प्रीमियर लीग 2023-24 के 22वें दिन पैंथर ने चैलेंजर्स को 6 रन से हराया। मंगलवार को शाखा मैदान में पैंथर और चैलेंजर्स के बीच मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पैंथर ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। दूसरी पारी में टाइटन्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बना सकी और रोमांचक मुकाबले में उसे 6 रनों से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम के प्रतीक राज को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

बकाया वेतन मांगने गये अनुबंधकर्मी सिविल सर्जन ने दुत्कारा, फोटो भी खींची

PHOTON NEWS, RANCHI : हड़ताल अवधि का बकाया वेतन की मांग को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय गये अनुबंधकर्मियों को सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार ने जलील किया। एएनएम-जीएनएम कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष मीरा कुमारी ने आरोप लगाया है कि वेतन भुगतान नहीं होने की जानकारी के लिए हमलोग सिविल सर्जन ऑफिस गए थे। अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद जब हम सभी सीएस ऑफिस जाकर वेतन भुगतान की जानकारी लेने के लिए गए, तब सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार ने हम सभी को दुत्कारा। मीरा ने आरोप लगाया कि हम सभी कर्मचारियों का सीएस ने फोटो भी खींचा। जबकि हमलोग अपनी जायज मांगों को लेकर गए थे।

मंत्री ने वेतन भुगतान का निर्देश दिया था : बता दें कि रांची जिले के 11 प्रखंडों के कर्मचारियों को अब तक हड़ताल की अवधि का वेतन नहीं दिया गया है। जबकि विभागीय मंत्री ने वेतन भुगतान करने का निर्देश हड़ताली कर्मियों के साथ हुए बैठक के दौरान ही दिया था।

16 जनवरी से 25 फरवरी तक बेमियादी हड़ताल की गयी थी : मालूम हो कि झारखंड अनुबंध पारा चिकित्सा कर्मी संघ और झारखंड राज्य एनआरएचएम एएनएम-जीएनएम अनुबंध कर्मचारी संघ के बैनर तले 16 जनवरी से 25 फरवरी तक बेमियादी हड़ताल की गयी थी। समायोजन और समान काम के बदले समान वेतन की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष राज्य भर के अनुबंध कर्मचारी 40 दिनों तक डटे रहे। 25 फरवरी को विभागीय मंत्री बन्ना गुप्ता की अध्यक्षता में संघ के साथ हुई बैठक के दौरान हड़ताल अवधि के वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था।

अस्पताल में सोडा लाइम केमिकल खत्म होने की वजह से मरीज का ऑपरेशन टाल दिया गया

रिम्स की व्यवस्था से हार बीमार पत्नी को उठा कर ले गया विष्णु

PHOTON NEWS, RANCHI : गरीबों के नाम पर खूब योजनाएं बनती हैं। खूब दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। राज्य के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल रिम्स में मंगलवार को कुछ ऐसा ही देखने को मिला। एक महिला मरीज को उसका पति अपने कंधे पर उठा कर रिम्स से बाहर ले जाते हुए बड़बड़ा रहा था-यहां पैरवी वाले लोगों का इलाज होता है, गरीबों का नहीं। दुमका जिले के नोनीहाट की मरीज सुश्मी देवी को कंधे पर ले जाते उसके पति विष्णु केवट का दर्द और बेबसी साफ-साफ दिख रही थी। जब उससे पूछा कि मरीज को कंधे के सहारे क्यों लेकर जा रहे हैं? इतना सुनते ही विष्णु का दर्द छलक उठा। उसने कहा-मैं दिहाड़ी मजदूर हूं और दो महीने पहले अपनी बीमार पत्नी को रिम्स लेकर आया था। उस समय ये अपने पैरों पर चल कर आई थी और आज इसकी हालत देख लीजिए, इसे कंधे पर ले जा रहा हूं। दो महीने तक भर्ती रहने के बावजूद यहां इसका इलाज नहीं हुआ। अब इसे घर ले जा रहा हूं, लेकिन बाहर ले जाने के लिए अस्पताल में ट्रॉली तक नहीं मिली। जितना मेरे बस में था किया, अब इसे भगवान ही जब तक जिंदा रखना होगा, रखेंगे।

कब सुधरेंगे हालात

विष्णु केवट तो अपनी बीमार पत्नी को बिना इलाज पूरा हुए ही लेकर अपने घर लौट गया। लेकिन अपने पीछे एक सुलगता सवाल जरूर छोड़ गया कि आखिर कब गरीबों को भी बड़े अस्पतालों में बिना किसी पैरवी के इलाज कराने का उनका हक मिलेगा। इस तरह के गरीब मरीज रिम्स ही नहीं तमाम अस्पतालों से बिना इलाज के भगवान भरोसे अपने गांव लौट जाते हैं, क्योंकि उनके न पैसा होता है और न ही पैरवी। इस तरह के हालात सुधरने चाहिए।

विष्णु केवट ने बताया कि पत्नी को ब्रेन ट्यूमर है। पिछले दो महीने से रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग में डॉ। सीबी सहाय की यूनिट में इसे भर्ती रखा गया था। सोमवार को ऑपरेशन तय किया गया। चिकित्सकों ने ऑपरेशन की बात कहकर मेरी पत्नी के सिर के पिछले हिस्से के बाल भी साफ कर दिए, लेकिन बेहोशी के लिए इस्तेमाल होने वाला केमिकल न होने की बात कहते हुए ऑपरेशन टाल दिया गया। इतने दिनों से अस्पताल में भर्ती रहने की वजह से मेरे पैसे खत्म हो गए। पत्नी की दवा और अपने लिए दो वक्त का खाना खरीदने में कंगाल हो चुका हूं। बीमारी तो ठीक नहीं हुई, उल्टे मेरे सारे पैसे खत्म हो गए। अब मजबूरन इसे घर लेकर जा रहा हूं।

अस्पताल में सोडा लाइम केमिकल खत्म होने की वजह से मरीज का ऑपरेशन टाल दिया गया। बता दें कि सोडा लाइम केमिकल एनेस्थीसिया की मशीन में डाला जाता है।

निधि आपके निकट 2.0 जिला संपर्क कार्यक्रम का आयोजन

PHOTON NEWS, RANCHI : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन रांची और सेल रांची यूनिट ने साथ मिलकर श्यामली कॉलोनी स्थित सेल आरडीसीआईएस के लेक्कर हाल में निधि आपके निकट 2.0 जिला संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें कर्मचारी भविष्य निधि से जुड़े फायदे, आवश्यकता और प्रक्रिया संबंधी जानकारी दी गयी। ईपीएफओ के अधिकारियों ने बताया कि भविष्य निधि, पेंशन और कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना की नवीनतम जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.epfindia.gov.in तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लैटफार्म से जुड़ें। इसके साथ साथ ईपीएफओ की उमंग एप्प से मोबाइल में भी इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हेल्प डेस्क बना कर समस्याओं को सुलझाया : इस कार्यक्रम में ईपीएफओ की तरफ से एक हेल्प डेस्क बनाया गया। सेल यूनिट के कर्मचारी के साथ संविदा पर कार्यरत कर्मियों की समस्या को सुलझाया गया। कार्यक्रम में ईपीएफओ दिल्ली से रीजनल पीएफ कमिश्नर राजेश पांडे, ईपीएफओ सुजीत कुमार, लल्लन प्रसाद यादव, राजीव कुमार के साथ सेल रांची यूनिट के पीएंडए विभाग से जीएम असित कुमार महंती आदि उपस्थित थे।

Mission Life के तहत उपायुक्त की अध्यक्षता में हुआ बैठक का आयोजन

MISSION LIFE के सफल संचालन को सभी विभागों को अपना योगदान देना जरूरी

PHOTON NEWS RAMGARH

मिशन लाइफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट) के तहत उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया।

इस दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री नीतीश कुमार के द्वारा उपायुक्त एवं बैठक में उपस्थित अधिकारियों को जानकारी दी गई कि सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में 5 जून 2023 (विश्व पर्यावरण दिवस) तक जन जागरूकता एवं मोबिलाइजेशन अभियान का संचालन किया जाना है जिसके तहत 75 सामान्य पर्यावरण फ्रेंडली कार्यों को 7 थीम- सेव एनर्जी, सेव वाटर, से नो टू सिंगल प्लास्टिक, अडॉप्ट सस्टेनेबल फूड सिस्टम, रिड्यूस वेस्ट, अडॉप्ट हेल्दी लाइफस्टाइल एवं रिड्यूस वेस्ट निर्धारित है।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने मिशन लाइफ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालने के उपरांत कहा कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे हैं मिशन लाइफ के सफल संचालन हेतु सभी विभागों को अपना योगदान देना जरूरी है। उपायुक्त ने कहा कि मिशन लाइफ एक ऐसा अभियान है जिससे सभी विभाग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित है। इस दौरान उपायुक्त ने सभी विभागों को सर्वप्रथम अपने-अपने कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मियों को मिशन लाइफ के उद्देश्यों के प्रति विस्तार से जानकारी देने का निर्देश दिया जिसके उपरांत उन्होंने 5 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर योजनाबद्ध तरीके से रामगढ़ जिले में मिशन लाइफ को सफल बनाने हेतु कार्य करने के संबंध में कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि मिशन लाइफ के सफल संचालन हेतु यह बहुत जरूरी है कि आम जनों तक मिशन लाइफ के उद्देश्यों की जानकारी पहुंचाई जाए एवं उन्हें इसके प्रति जागरूक किया जाए। इसके लिए सभी विभाग अपने अपने माध्यम से इस दिशा में कार्य करना सुनिश्चित करें साथ ही उपायुक्त ने मिशन लाइफ के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सभी अधिकारियों को उनके कार्यालयों द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी जिला जनसंपर्क कार्यालय के साथ साझा करते हुए उसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

बैठक में शामिल उपायुक्त माधवी मिश्रा व अन्य अधिकारी। ● द फोटोन न्यूज

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत डीसी की अध्यक्षता में हुआ बैठक का आयोजन

PHOTON NEWS RAMGARH

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़ श्री आनंद कुमार के द्वारा उपायुक्त एवं बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को जानकारी दी गई कि सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी ग्रामीण क्षेत्रों में योग्य एवं जरूरतमंद लोगों को शौचालय उपलब्ध कराने का निर्देश प्राप्त है। इसके लिए सभी प्रखंडों में ग्रामसभा एवं जलसहियाओ के द्वारा लाभुकों का चयन किया जाना है। लाभुकों को शौचालय उपलब्ध कराने का कार्य जून माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाना है। साथ ही उन्होंने इस संबंध में प्राप्त अन्य निदेशों के संबंध में विस्तार से सभी को जानकारी दी।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जल्द से जल्द अपने प्रखंड में जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक सुनिश्चित करते हुए उक्त निर्देश का शत प्रतिशत अनुपालन कराने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने योग्य व जरूरतमंद लोगों को शौचालय उपलब्ध कराने के तहत जो भी कार्य प्रखंड में किए जा रहे हैं उससे संबंधित प्रतिवेदन ससमय जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

मानगो पुलिस ने अवैध हथियार के साथ तीन लोगों को किया गिरफ्तार, हथियार बरामद

गिरफ्तार अपराधी व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : मानगो थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिलीहै। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केला बागान स्थित नवनिर्मित अपार्टमेंट के चौथे तल्ले में छापेमारी करते हुए तीन लोगों को पकड़ा है। इनके पास से मैगजीन सहित लोडेड देशी पिस्तौल, छः जिंदा कारतूस और दो अलग-अलग कम्पनियो के मोबाइल फोन जप्त किए है। पूछताछ के बाद सभी अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की गिरफ्त में आए युवकों का नाम शहजादा, शाहनवाज और आतिश बताया जा रहा है। पुलिस की मानें तो इनके जरिए ही शहर में अवैध हथियारों की सप्लाई हो रही थी। ऐसे में इनका पकड़ा जाना एक बड़ी कामयाबी है। पुलिस इन सभी से इस धंधे में शामिल बड़े गिरोह के बारे में जानकारी प्राप्त कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार यह गिरोह हर महीने लाखों रुपए के अवैध हथियार का कारोबार कर रहा था।

वज्रपात से हुई एक व्यक्ति की मौत, शोक में डूबा परिवार

RAMGARH : चितरपुर प्रखंड के छोटकी लारी निवासी बद्री नायक की मौत सोमवार को वज्रपात से हो गई थी, जिसका पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को सिमरा नाला मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि बड़े पुत्र बजरंग नायक ने दी। इस अवसर पर दिवंगत आत्मा की शान्ति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने का धैर्य प्रदान करने हेतु दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई। मौके पर विराज (बाली) नायक, युगेश नायक, पुन्नु राम नायक, दिवाकर नायक, रमेश नायक, मनोज नायक, दिलीप नायक, भोला करमाली, दिपक महतो, महावीर महतो, संजय महतो, गोविन्द नायक सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

मारवाड़ी महिला समिति ने किया प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

RAMGARH : मारवाड़ी महिला समिति रामगढ़ शाखा द्वारा स्थानीय जैन भवन के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समिति के द्वारा आईसीएससी एवं सीबीएससी 2023 के 10वीं एवं 12वीं के 90% से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं सम्मान पत्र देकर बच्चों की हौसला अफजाई की गई तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए समिति के सदस्यों द्वारा शुभकामना दी गई। उक्त कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उक्त जानकारी देते हुए समिति की अध्यक्ष निशा जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उज्जवल भविष्य के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर अध्यक्षा निशा जैन के अलावा सचिव सिंपल बरेलिया, अरुणा जैन, प्रिया अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, उर्मिला शाह, राखी शर्मा, सरिता जैन आदि शामिल थी।

महिला काव्य मंच, रामगढ़ नगर इकाई की ऑनलाइन मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

RAMGARH : महिला काव्य मंच की रामगढ़ इकाई की ऑनलाइन मासिक गोष्ठी आयोजित की गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच की अध्यक्ष डॉ शारदा प्रसाद ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण जी उपस्थित रहीं वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मोना बग्गा उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरोज सिंह ने सरस्वती वंदना से किया। सीमा साहा ने मुस्कुराने की वजह ढूंढते हैं कविता सुना कर मन मोह लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण जी ने खिलौने की घुटन मेरे कपड़े की अलमारी में खिलौने बंद है कविता सुना कर मन मोह लिया। अंत में मंच की अध्यक्ष डॉ शारदा प्रसाद जी ने प्रस्तुत सभी कविताओं का समाहार करते हुए तुझसे मिलने की चाह, एक आस, एक विश्वास तथा झुमको कविता सुनाया। कार्यक्रम का समापन डॉ रजनी गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया। मंच संचालन प्रोफेसर सरोज सिंह ने किया। कार्यक्रम में चांदनी कुमारी, कांति सिंह भी उपस्थित रहीं।

झारखण्ड निर्माण मजदूर यूनियन की बैठक संपन्न

RAMGARH : दोहाकातु पंचायत के कोठा दापैन मुंडा टोला में झारखण्ड निर्माण मजदूर यूनियन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 9 सदस्यीय ब्रांच कमिटी का गठन किया गया। जिसमें मनोज मुंडा को अध्यक्ष तथा रामफल महतो सचिव, कामेश्वर महतो, संजय मुंडा, गांधिक मुंडा, रिक्ती देवी, पुनम देवी, गणेश मुंडा, एवं सुखी मुंडा कमिटी सदस्य के रूप में चुने गए। इस अवसर पर झारखण्ड निर्माण मजदूर यूनियन के जिला प्रभारी सरयू बेदिया ने कहा कि आज मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है। वे कार्य स्थल पर जाते तो हैं पर वापस लौट आते हैं। महंगाई के साथ बेतहाशा बढ़ती बेरोजगारी में मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नसिब नहीं है। केंद्र व राज्य सरकारें लगातार मजदूर विरोधी कानूनों को लागू करने के कारण जैसे तैसे उनकी जिंदगी चल रही है। इसलिए मजदूरों को अपनी यूनियन की सदस्यता ग्रहण कर अपनी आवाज को बुलंद करने की जरूरत है। आगामी 22 जून को निर्माण मजदूर यूनियन की राज्य स्तरीय सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अमल घोषाल, बृज नारायण मुंडा, रामफल महतो, सुखी मुंडा सहित दर्जनों मजदूरों शामिल हुए।

डॉ राहुल बरेलीया ने इंटर साइंस की स्टेट टॉपर दिव्या कुमारी को किया सम्मानित

RAMGARH : बरेलीया नर्सिंग होम के संस्थापक हड्डी स्पेशलिस्ट डॉ राहुल बरेलीया ने इंटर साइंस की स्टेट टॉपर दिव्या कुमारी को फूलों की वर्षा कर फूलों का गुच्छा वा चांदी का कलम देकर सम्मानित किया। डॉ राहुल बरेलिया ने कहा कि जैक इंटर साइंस के स्टेट टॉपर दिव्या कुमारी राज्य के साथ-साथ देश का भी नाम रोशन करेगी साथ ही दिव्या कुमारी को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। दिव्या कुमारी ने बताया कि मैं आगे पढ़ाई कर डॉक्टर बनना चाहती हूं। ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल, डिवाइन ओंकार मिशन के सचिव राजेश नांगी, समाजसेवी विजय मेवाड़ ने भी दिव्या कुमारी को शुभकामनाएं दी तथा हर संभव मदद का आश्वासन दिया। दिव्या कुमारी के माताजी ने बताया कि बहुत ही संघर्ष कर दिव्या कुमारी को पढ़ाया है।

पीवीयूएन के सौजन्य से व्यावसायिक त्रिमासिक सिलाई प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

RAMGARH : पतरातु विद्युत उत्पादन निगम के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार कंपनी द्वारा विकास कार्य किए जा रहे है। इसी कड़ी में मंगलवार को पीवीयुएन के सामुदायिक विकास कार्य को आगे बढ़ाते हुए त्रिमासिक सिलाई प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। पीवीयुएन परियोजना प्रमुख रविन्द्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारम्भ किया। बताया गया की स्वर्णरेखा महिला समिति के सहयोग से आस-पास के गांव की 50 ग्रामीण महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से त्रिमासिक सिलाई प्रशिक्षण दिया जायेगा। महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण का कार्य श्रमिक शिप्पी समिति द्वारा दिया जायेगा। कहा गया की प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व्यावसामिक सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोडना है। मौके पर नीरज कुमार रॉय प्रमुख (मा.सं.) पीवीयुएन, स्वर्ण रेखा महिला समिति की सदस्य श्रमिक शिल्प समिति तथा प्रशिणर्थी उपस्थित थे।

रिझु नाथ चौधरी मेमोरियल इंटर महाविद्यालय सिरू का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कला में जीशान और वाणिज्य में बिजली रही टॉपर

PHOTON NEWS RAMGARH

झारखंड अधिविध परिषद रांची द्वारा घोषित कला और वाणिज्य संकाय के परीक्षाफल में रिझू नाथ चौधरी मेमोरियल इंटर महाविद्यालय सिरू के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। महाविद्यालय से इस वर्ष कला संकाय से कुल 199 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जबकि एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा। इनमें से 199 विद्यार्थी ने सफलता प्राप्त की। महाविद्यालय का रिजल्ट 100% रहा।

इसमें से प्रथम श्रेणी से 101 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से 97 विद्यार्थी तथा तृतीय श्रेणी से एक विद्यार्थी सफल हुआ। प्रथम स्थान मो. जीशान अंसारी 371, बेला कुमारी 370, प्रभा कुमारी 367, पैरो कुमारी 366, कंचन कुमारी 364, सोनिया कुमारी 359, सविता कुमारी 357, किरण कुमारी 355, खुशबू कुमारी 352, बॉबी कुमारी 350 अंक के साथ टॉप टेन में शामिल हुए।

जबकि वाणिज्य संकाय में 7 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिनमें से 6 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से और एक विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से सफल हुआ। वाणिज्य संकाय का रिजल्ट भी शत प्रतिशत रहा। जिसमें बिजली कुमारी 382 अंक, सौरभ कुमार 379, पूजा कुमारी 376, शारदा कुमारी 368, युवानी मिसका 365, जूही कुमारी 341, श्वेता भारती 293 अंक प्राप्त की।

सभी सफल छात्र छात्राओं को गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक सुनीता चौधरी, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो, अध्यक्ष गंगाधर महतो, प्राचार्य लोचन राम महतो, राजकिशोर महतो, राजनंदन महतो, राजेश कुमार ओहदार, डब्लू कुमार, कामेश्वर महतो, संदीप कुमार, डमर लाल महतो, सुनीता कुमारी, रिजवाना, कविता कुमारी, सुनीता कुमारी, विकास कुमार, सुजन कुमार, आशीष कुमार, पंकज कुमार, पनेश्वरी कुमारी आदि ने बधाई दी। साथ ही प्राचार्य ने बताया कि मैट्रिक में सफल छात्र छात्राएं बुधवार से महाविद्यालय पहुंचकर नामांकन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं।

जमशेदपुर के तीन उत्कृष्ट विद्यालयों में लिए चार केंद्रों पर हुई प्रवेश परीक्षा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUIR

शहर में स्थित तीन उत्कृष्ट विद्यालयों में सत्र 2023-24 में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा मंगलवार को चार केंद्रों पर हुई। झारखंड शिक्षा परियोजना की ओर से आयोजित इस परीक्षा में कुल 1995 परीक्षार्थियों में से 1638 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 391 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

सभी चार केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय से संचालित हुई। इन केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त रही। परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक उपरकरण मोबाइल, कैलकुलेटर, घड़ी आदि लेकर जाने की मनाही थी। यह परीक्षा ओएमआर शीट पर दो पालियों में ली गयी।

केंद्रों पर परीक्षार्थियों की उमड़ी भीड़। ● द फोटोन न्यूज

कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए चारों केंद्रों पर कुल 80 वीक्षक (इनविजिलेटर) प्रतिनियुक्त किये गये थे। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी बरेलिया ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षा का जायजा लिया।

इस परीक्षा के आधर पर 5 जून को मेधा सूची जारी की जाएगी। इसके आधार पर उत्कृष्ट विद्यालयों में दाखिला लिया जाएगा। विदित हो कि जमशेदपुर बालिका प्लस टू उवि साकची, बीपीएम प्लस टू उवि बर्मामाइंस व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सुंदरनगर को सीबीएसइ बोर्ड के स्कूल में बदला गया है। इन विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई होगी।

चितरपुर महाविद्यालय के उर्दू विभाग में हुआ साप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन

संगोष्ठी में शामिल छात्राएं। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH

चितरपुर महाविद्यालय, चितरपुर के उर्दू विभाग में साप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमेस्टर छह के पाठ्यक्रम के अनुसार संगोष्ठी का विषय था तारीख-ए-इस्लाम के असबाक।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ संज्ञा ने कहा कि संगोष्ठी का आयोजन उच्च स्तरीय शिक्षण व्यवस्था है ऐसी व्यवस्था से विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास होता है केवल व्याख्यान से विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि परिश्रम से सफलता हासिल होती है और परिश्रम कभी बेकार नहीं होता है। अतः विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा की तैयारी के लिए परिश्रम करते रहना चाहिए। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाहनवाज खान ने कहा कि स्नातक से शोध के साथ अध्ययन करना चाहिए यह अध्ययन का सब से अच्छा ढंग है और शोध परिणाम को प्रस्तुत करने का श्रेष्ठ मध्यम संगोष्ठी है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम में शोध वाले पर्चे शामिल किए गए हैं। संगोष्ठी का शुभारंभ शफकत जहां ने कुरान पाक की तिलावत से की उसके बाद फिजजतुल कुबरा ने नाते पाक का नजराना ए अकीदत पेश किया। संगोष्ठी का संचालन शफकत जहां ने किया। संगोष्ठी में सकीना बनो, अर्शी नाज, अनीशा खातून, फिजजतुल कुबरा, और शफकत जहां ने अपना अपना लेख प्रस्तुत किया।

अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट नामांकन पर असमंजस

कोआपरेटिव, वर्कर व एबीएम कॉलेज ने नहीं घोषित की इंटरमीडिएट में नामांकन की तिथि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUIR

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के आदेश पर डिग्री कॉलेजों से इंटर की पढ़ाई बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जमशेदपुर महिला विवि समेत राज्य के कुछ विवि ने इंटर की पढ़ाई की बंद करने को घोषणा भी कर दी है। कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से हालांकि अभी इंटरमीडिएट को बंद करने की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन उसके अंगी भूत कालेजों ने भी नामांकन प्रक्रिया को रोक दिया है। जहां केयू कई कॉलेज इंटरमीडिएट में नामांकन की तिथि घोषित नहीं कर रहे हैं। वहीं करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में एडमिशन प्रक्रिया की तिथि घोषित करने के तीन दिन बाद नामांकन प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। पूर्व घोषित तिथि के तहत यहां मंगलवार 30 मई से आवेदन फॉर्म भरे जाने थे लेकिन अब इसे रोक दिया गया है। वही कॉलेजों में इंटरमीडिएट नामांकन की प्रक्रिया नहीं शुरू होने की वजह से करीब 10000 से अधिक छात्र इसे लेकर परेशान हैं।

कुलसचिव को ज्ञापन सौंपते छात्र प्रतिनिधि व उपस्थित छात्राएं। ● द फोटोन न्यूज

कॉलेजों में प्लस-2 संचालन पर असमंजस का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि शहर के पांच में से 3 अंगीभूत कॉलेजों (कोऑपरेटिव, वर्कर्स व एबीएम कॉलेज) ने एडमिशन की प्रक्रिया व तिथि तक घोषित नहीं की है। इन कॉलेजों का कहना है- जब तक केयू या राज्य स्तर से इंटर में नामांकन को लेकर कोई आदेश नहीं आता, वे एडमिशन प्रक्रिया शुरू नहीं करेंगे। मालूम हो कि जिले के अंगीभूत कॉलेजों में इंटर का करीब 10 हजार सीट है। ऐसे में यहां अगर एडमिशन नहीं होता है तो छात्रों के लिए नामांकन की बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी।

जमशेदपुर विमेंस विश्वविद्यालय में हो रहा विरोध प्रदर्शन:वीमेंस यूनिवर्सिटी में इंटर की पढ़ाई बंद किए जाने के विरोध में छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश संयोजक प्रभजोत सिंह राठौर के नेतृत्व में छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्राएं करीब दो घंटे तक विवि कैंपस धरने पर बैठी रहीं। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव को ज्ञापन सौंप कर विश्वविद्यालय में इंटर की पढ़ाई जारी करने की मांग की गयी।

इधर इंटर शिक्षकों ने उच्च शिक्षा विभाग से मांग की है कि डिग्री कॉलेजों से इंटर की पढ़ाई को अलग न किया जाए। झारखंड अंगीभूत महाविद्यालय इंटरमीडिएट अनुबंध शिक्षक व कर्मचारी संघ की ओर से कहा है कि राज्य के 64 अंगीभूत कॉलेजों में लगभग 5000 अनुबंध इंटर शिक्षक व 1 हजार कर्मचारी पिछले दो दशक से सेवा दे रहे हैं। इसमें से कोल्हान के 16 अंगीभूत व अल्पसंख्यक कॉलेजों में 300 शिक्षक व 100 शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हैं। इसलिए इंटर की पढ़ाई बंद करने से पहले सेवा दे रहे शिक्षकों की सेवा सामंजस्य किया जाए।

कुसियारा में धूमधाम व भक्तिभाव से किया गया मंडा पूजा

दहकते अंगारों पर नंगे पाव चल शिवभक्तों ने दिया आस्था का परिचय

PHOTON NEWS RAMGARH

कुसियारा गांव में मंडा पूजा धूमधाम व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने लोटन सेवा, फुलखुंदी, मच्छर गोथा, बनस पर झूला शिवभक्तों ने अपने आस्था का परिचय दिया। वहीं बंगाल के छऊ नृत्य के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को खूब आकर्षित किया। मेला में भंडारा, घाघरा, किन्नी, जराद, आराशाह, गेगदा, लेम, कुरसे, बरघुटुवा क्षेत्र के ग्रामीण सैंकड़ों की संख्या में उपस्थित हुए।

इधर मंडा पूजा और मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि आजसू के केंद्रिय महासचिव रोशन लाल चौधरी, विशिष्ठ अतिथि स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद, मुखिया हेमा देवी व विजय साहू ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। वहीं बंगाल के कलाकारों ने देवी देवताओं से जुड़े छऊ नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को रातभर झूमाए रखा।

दहकते अंगारों पर चलते शिवभक्त । ● द फोटोन न्यूज

इसके पूर्व 65 भोक्ता और 70 सोकताइनो ने नदी से स्नान ध्यान कर पवित्र जल भरकर मंडा स्थल पहुंचे। जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना कराई गई। वहीं शिव भक्तों ने दहकते अंगारो पर नंगे पांव चलकर अपने अटूट आस्था का परिचय दिया। इसके बाद नुकीले कांटेदार कील को शरीर में चुभोकर भोक्ताओं ने बनस झूला झूल कर अपनी शिवभक्ति व आस्था का परिचय दिया। साथ ही गांव की सुख-समृद्धि की भगवान शिव व माता पार्वती से कामना की।

पूजा को लेकर भव्य मेले का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि रोशन लाल चौधरी ने कहा की मंडा हमारी झारखंडी संस्कृति की पहचान है। हम सब परंपरा के अनुसार प्रकृति और शिव की उपासना कर सुख समृद्धि की कामना करते है।

विशिष्ठ अतिथि अम्बा प्रसाद ने कहा कि वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को अच्छी बारिश, फसलों के उपज और सुख-समृद्धि के लिए किया जाता है। इस त्यौहार में बड़ा ही कठिन व्रत होता है और व्रत के दौरान पूरी तरह सादगी और सात्विक होकर कई नियमों का पालन भी करना होता है।

मंडा पूजा को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष सह कुरसे मुखिया संदीप उरांव, सचिव निर्मल महतो, कोषाध्यक्ष रामश्याम सिंह, उपाध्यक्ष सूरज जसवाल, बिनोद जयसवाल, केदार महतो, बैजनाथ महतो, हरिलाल मुंडा, संजय सिंघनिया, मोहित महतो, बिष्णु ठाकुर, कृष्णा उरांव, करण महतो, सहदेव महतो, बिरजू मुंडा, भवानी गोप, रामकुमार महतो, मनोज महतो सहित कई लोगो का विशेष योगदान रहा।

भोजपुर में सड़क हादसा 2 घायल

भोजपुर में सोमवार को सड़क हादसे में 2 लोग घायल हो गए। दोनों चाचा-भतीजा बाइक पर सवार होकर साले के तिलक से लौट रहे थे। इस दौरान बेलगाम बोलेरो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजनों द्वारा दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। मामला जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बौलीपुर गांव के समीप का है। जख्मियों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव निवासी स्वर्गीय सहदेव राम के 24 वर्षीय पुत्र राधेश्याम और उनका भतीजा गोरख बहादुर पासवान के 19 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार शामिल है। इधर,छोटू ने बताया कि अपने चाचा राधेश्याम के साले रवि राम के तिलक में बिहिया थाना क्षेत्र के लाला के टोला गांव में शामिल होने के लिए गए थे। जब देर रात वापस गांव लौट रहे थे तभी बलीपुर गांव के समीप तेज रफ्तार से जा रहे बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों जख्मी हो गए। जहां राधेश्याम की स्थिति को नाजुक देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। आराझ बक्सर नेशनल हाईवे शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव के समीप सोमवार को बाइक सवार दो युवकों को बेलगाम ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवक बुरी तरह जख्मी हो गए जिसके बाद राहगीरों की मदद से जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज कराया जा रहा है । जख्मियों में बक्सर जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव निवासी सीतापति साहू के 30 वर्षीय पुत्र अतुल कुमार साहू और बिहिया थाना क्षेत्र के जज बाजार गांव निवासी मदन प्रसाद का 23 वर्षीय पुत्र प्रीतम कुमार शामिल है इधर,जख्मी प्रीतम ने बताया कि अतुल शादी समारोह एवं अन्य पार्टियों में वीडियो रिकॉर्डिंग शूट कराने का काम करता है।

बक्सर जिले के दलसागर गांव में एक शादी समारोह में दोनों वीडियो रिकॉर्डिंग करने के लिए गए हुए थे। जब रात वापस लौट रहे थे, तभी सामने से आ रहे बेलगाम ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । जिसके बाद सड़क किनारे गिर पड़े, रास्ते से गुजर रहे राहगीरों की मदद से दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां अतुल की स्थिति काफी गंभीर बताई जा रही है

मुजफ्फरपुर में10वीं क्लास की छात्रा की हत्या

मुजफ्फरपुर में 24 घंटे से लापता 10वीं की छात्रा का शव मंगलवार को तालाब में मिला है। उसके गले और चेहरे पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया और आगजनी की। पुलिस की दो बाइकों को भी आग के हवाले कर दिया। भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। परिवार का आरोप है कि उसी की क्लास में पढ़ने वाले लड़के ने बेटी की हत्या की है। वह बेटी को बार-बार फोन करके परेशान करता था। जिले के ब्रह्मपुरा निवासी किराना व्यापारी विनोद सिंह की 14 साल की बेटी सलोनी कुमारी सोमवार को घर से निकली थी। शाम तक उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद से परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। मंगलवार को उसका शव ब्रह्मपुरा थाने के सामने मंदिर के पीछे तालाब में मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। ब्रह्मपुरा थानेदार नवीन कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। बच्ची का परिवार भी मौके पर पहुंचा और शव को देखकर पहचान की। घटना से आक्रोशित होकर लोगों ने ब्रह्मपुरा चौक के सामने सड़क पर जाम कर दिया। लोगों ने टायर जलाकर आगजनी कर दी। जमकर हंगामा और बवाल होने लगा। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे लोगों के साथ भी मारपीट की गई। लोगों ने पुलिस को खदेड़ने की कोशिश की। मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई। हंगामा और बवाल बढ़ते ही नगर डीएसपी राघव दयाल समेत काफी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी समझने को तैयार नहीं हुआ। बवाल बढ़ने लगा। आक्रोशितों ने पुलिस की दो बाइक को आग के हवाले कर दिया। मामला बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ दिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने सलोनी के क्लासमेट को आरोपी बनाया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। बच्ची के गले और चेहरे पर जख्म के निशान मिले हैं। घटनास्थल पर खून भी गिरा हुआ मिला है। टाउन डीएसपी का कहना है की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मामला स्पष्ट होगा।

गया में बॉयफ्रेंड के सामने गर्लफ्रैंड से छेड़खानी मामला

गया में बॉयफ्रेंड के सामने लड़की से छेड़खानी मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा छेड़खानी मामले में शामिल अन्य चार आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सोमवार की देर रात मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के गुलरियाचक गांव में डीएसपी खुर्शीद आलम के नेतृत्व में ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। उस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा पकड़े गए अभियुक्त से अन्य साथियों की गिरफ्तारी हेतु पूछताछ जारी है। वहीं पुलिस की मानें तो दोपहर बाद तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर इसका खुलासा किया जाएगा। उसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया कर्मियों को जानकारी दी जाएगी। वहीं, इस मामले में डीएसपी खुर्शीद आलम ने बताया कि मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के गुलरियाचक गांव में एक लड़की से चार-पांच मनचलों द्वारा अश्लील हरकत करने का एक वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए सोमवार देर रात तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान एक आरोपी गिरफ्तारी करने में सफलता मिली है। इसके अलावा अन्य की तलाश जारी है। अब तक चार आरोपियों की पहचान की जा चुकी है।

बिहार में लग्जरी गाड़ी से बकरी चोरी

बिहार के पूर्णिया से चोरी का गजब मामला सामने आया है। यहां चमचमाती स्कॉर्पियो (लग्जरी गाड़ी) से बकरी की चोरी की गई। कार सवार चोरों ने एक गांव में 10 बकरी चोरी कर ली। इस चोरी का खुलासा एक घर में लगे CCTV कैमरे से हुआ। चोरों की करतूत CCTV में कैद हो गई। घटना जिले के धमदाहा प्रखंड के मीरगंज के हरिनपोल से लगे तारोनी मुस्लिम टोला की है। चोरी का 59 सेकेंड का फुटेज सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि 23 मई की रात 1 बजकर 20 मिनट पर स्कॉर्पियो सवार चोर पहुंचे। चार लोग बारी-बारी से गाड़ी से उतरते हैं। वहीं एक शातिर स्कॉर्पियो ड्राइव कर रहा था। दो चोरों ने घर के बाहर बैठी बकरियों को उठाया और बाकी दो की मदद से बकरियों को गाड़ी में रख लिया। महज कुछ सेकेंड में बकरी चोरी कर सभी शातिर फरार हो गए। गांव वालों का कहना है कि उस दिन तीन लोगों की

10 बकरी चोरी की गई। चोरी की गई बकरियां मो. एकलाल और मो. नय्यर और मो तबरेज ने पाल रखी थी। पीड़ित ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि लग्जरी कार से कोई आकर बकरियों की चोरी करेगा। ये पूरी वारदात पूर्व मुखिया परवेज आलम के घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बकरी चोरी की घटना से दूसरे पशुपालकों में भय है। पुलिस अब तक ये पता नहीं लगा पाई है, कि लग्जरी कार वाले चोर कौन हैं और कहां से आए थे। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

जुड़वा बेटियों को जन्म देकर मां मरी लेने कोई नहीं आया

जुड़वा बेटियों को जन्म देने के कुछ देर बाद मां की मौत हो गई। दोनों घर से 8 किलोमीटर दूर अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती हैं। 12 दिन बीत गए हैं, लेकिन उन्हें देखने के लिए परिवार का कोई सदस्य तक नहीं आया है। दोनों स्वस्थ हैं। अस्पताल प्रबंधन पिता को लगातार फोन करके ले जाने के लिए कह रहा है। इसके बाद भी कोई लेने नहीं आ रहा है।

मामला बिहार शरीफ सदर अस्पताल का है। दोनों बेटियों की देखरेख अस्पताल का स्टाफ कर रहा है। जिले के महानंद पुर गांव के हरेंद्र पासवान की पत्नी रीना देवी ने 18 मई को दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया था। इसी दौरान मां की तबीयत बिगड़ गई। उसे सदर वर्धमान आयुर्विज्ञान संस्थान पावापुरी रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर दाह संस्कार के लिए

चले गए, लेकिन फिर वापस लौटकर नहीं आए।

सदर अस्पताल के एसएनसीयू में दोनों नवजात बच्चियों को रखा गया है। डॉक्टर मनोज ने बताया कि दोनों की बेहतर तरीके से एसएनसीयू में देखभाल की जा रही है। फिलहाल दोनों बच्चियां पूरी तरह से स्वस्थ हैं। घर जाने के लायक हैं। मैं बच्चियों के परिजन से अपील करना चाहता हूं कि अपने दोनों नवजात को ले जा सकते हैं। नालंदा सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार ने बताया कि दोनों की समुचित देखरेख एसएनसीयू वार्ड में की जा रही है। 1 बच्ची का वजन 900 से 1 किलोग्राम है तो वहीं दूसरी बच्ची का वजन 1 किलो 200 ग्राम के आसपास है। सदर अस्पताल के अधिकारियों ने नवजात बच्चियों के परिजनों से संपर्क भी किया। 11 दिन तक कोई जवाब नहीं आया। बच्चियों को देखने तक कोई नहीं पहुंचा, जबकि सदर अस्पताल से महज 8 किलोमीटर दूर ही नवजात बच्चियों का घर है। हालांकि 12वें दिन बच्चियों के दादा ने फोन पर कहा कि वह अगले 2 से 3 दिनों में आकर नवजात बच्चों को ले जाएंगे। फिलहाल वे लोग घर में श्राद्ध काम में व्यस्त हैं। अगर परिजन बेटियों को नहीं ले जाते हैं तो चाइल्ड हेल्पलाइन में बच्चियों को भेजा जाएगा। ताकि एडॉप्शन की प्रक्रिया की जा सके। फिलहाल बच्चियों को समुचित देखरेख की जरूरत है। इसलिए उन्हें एसएनसीयू वार्ड में रखा गया है।

जम्मू-कश्मीर में बस खाई में गिरी बिहार के 10 की मौत

जम्मू-कश्मीर में मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे बस खाई में गिर गई। हादसे में बिहार के लखीसराय के 10 लोगों की मौत हो गई है। 55 घायल हैं। सभी एक ही कुनबे के हैं। परिवार अपने रिश्तेदारों और करीबियों के साथ बच्चे के मुंडन के लिए वैष्णो देवी जा रहे थे। बस में 75 यात्री सवार थे और वह अमृतसर से कटरा जा रही थी। जम्मू में कटरा से करीब 15 किमी दूर झज्जर कोटली के पास बस पुल से 50 फीट खाई में गिर गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ और सीआरपीएफ की टीमें पहुंचीं। बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हादसे पर दुख जताया है। साथ ही मृतकों के परिवार को 2-2 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया है। प्रारंभिक जांच में बात सामने आई है कि बस का ब्रेक फेल हो गया था। इसकी वजह से ढलान पर बस की रफ्तार बढ़ गई। वह अनियंत्रित होकर पुल के डिवाइडर से टकराते हुए 50 फीट खाई में गिर गई। बस के दो पहिए पुल पर ही फंसे रह गए। जम्मू के डिप्टी कमिश्नर अवनी लवासा ने बताया कि इस हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अन्य लोगों को हल्की चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को ॠटउ जम्मू में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों का स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे उफ्द्धॠ अधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि जैसे ही हमें सुबह दुर्घटना की जानकारी मिली। तुरंत हमारी टीम ने यहां पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। शवों को निकाला गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस की टीम भी हमारे साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी

है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बताया जा रहा है कि बस में बिहार के लोग थे, जो कटरा जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, मरने वाले सभी एक ही कुनबे के हैं। बिहार के लखीसराय का परिवार अमृतसर में फतेहगढ़ चूड़िया रोड पर रहता है। घर में बच्चे के मुंडन के लिए सभी वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाना था। इसमें शामिल होने के लिए लखीसराय से भी काफी संख्या में लोग गए थे। घटना के बाद मृतकों के परिजन जम्मू के लिए रवाना हो गए हैं।

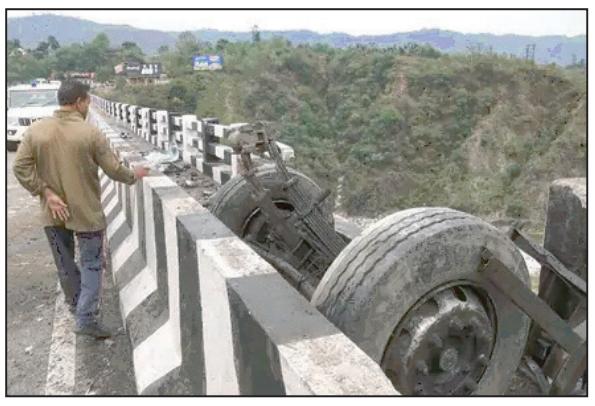

संक्षिप्त -समाचार

गया में मासूम की झुलसकर मौत

गया में अगलगी की घटना में चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वहीं, घर में रखे सभी सामान जलकर राख हो गए। इस घटना से इलाके में सन्नाटा पसरा है। घटना की सूचना पुलिस और प्रखंड के अधिकारियों को दी गई है। घटना शाम की बताई जा रही है। घटना जिले के फतेहपुर थाना के लोधवे टोला पहड़ी पर सोमवार शाम घटी। गांव वालों ने बताया कि पहडी. निवासी कैला राजवंशी व उसके तीन अन्य भाई का परिवार एक ही घर में रहते थे। घटना के वक्त बच्चा घर में सो रहा था। वही घर के अन्य सदस्य मजदूरी करने के लिए कहीं गए हुए थे। इसी दौरान घर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि लोग सहमे हुए थे। मौके पर ग्रामीणों द्वारा आग को काबू में करने की काफी कोशिश की गई पर वे सफल नहीं हो सके। आग घर के चारों तरफ फैल गई थी। वहीं माता-पिता के सामने ही बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ अशोक कुमार थानाध्यक्ष कुमार सौरभ उतरी लोधवे पंचायत के मुखिया अभय कुमार मौके पर पहुंचे। वहीं फायर बिग्रेड ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि आग पर काबू पाने के पहले ही घर में रखे खाने-पीने के सारे सामान जलकर राख हो गए थे। मुखिया अभय कुमार ने बताया कि कैला राजवंशी अपने चार भाइयों के साथ एक ही मकान में रहता था। मकान खपरैल का था। उसके ऊपर से ही बिजली का हाई वोल्टेज तार गुजरा है। आशंका है कि उससे निकली चिंगारी के कारण घर में आग लग गई होगी। वहीं पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए गया मगध मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया है।

मुखिया भतीजी की शादी में हर्ष फायरिंग

जमुई में सोमवार की रात मुखिया की भतीजी की शादी थी। जमकर आतिशबाजी हो रही थी। समधी मिलन हुआ। इसी दौरान एक युवक नशे में धुत होकर हर्ष फायरिंग कर रहा था। गोली बीए की छात्रा को लग गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना सिकंदरा थाना क्षेत्र के मिर्चा पाठक चक गांव की है। मृतक छात्रा की पहचान मिर्चा गांव निवासी रविंद्र राम की 18 वर्षीय पुत्री सोनम कुमारी के रूप में की गई है। इधर, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने मंगलवार की सुबह जमुई-सिकंदरा मुख्य मार्ग के मिर्चा गांव के समीप सड़क जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाया। पुलिस के आश्वासन के दो घंटे बाद जाम को हटा दिया गया। ृतक सोनम के भाई सन्नी कुमार ने बताया कि मुखिया का आदमी था। एक परिचित के भाई का दोस्त ता। पीकर आया था। गोली सिर में मार दी। समधी मिलन हो रहा था। हाथ में हथियार लेकर ऊपर करके डांस कर रहा था। मेरी दीदी को सिर में गोली मार दी। मौके पर ही मौत हो गई। पहले से कोई दुश्मनी नहीं थी। शराब पीते उसे देखे थे। हाथ में हथियार लेकर कई दफे नाचते देखे थे। बता दें कि सोनम बीए पार्ट वन की छात्रा थी। सोमवार को सिकंदरा थाना क्षेत्र के मिर्चा पाठक चक पंचायत के मुखिया जया देवी की भतीजी की शादी में शामिल होने पहुंची थी। समधी मिलन किया जा रहा था। उधर, शादी में पहुंचे टाउन थाना क्षेत्र के विठ्ठलपुर गांव निवासी अमित कुमार शराब के नशे में धुत होकर पिस्टल से हर्ष फायरिंग कर रहा था। एक गोली छात्रा सोनम कुमारी के सिर में जा लगी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मुस्लिम युवक ने ब्राह्मण बताकर सास-बहू से किया रेप

मोतिहारी में एक मुस्लिम युवक ने खुद को ब्राह्मण बताकर न्यूज पोर्टल के ऑफिस के लिए किराए पर कमरा लिया। फिर सास-बहू को झांसे में लेकर फिजिकल रिलेशन बनाए। उसने दोनों के गंदे फोटो-वीडियो भी बनाए। इसके बाद ब्लैकमेल करने लगा। युवक खुद को एक न्यूज पोर्टल का संपादक बताता था। सास-बहू ने रेप की शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कहा कि युवक पर रेप का मामला दर्ज किया जाएगा। मामला छतौनी थाना क्षेत्र के मठिया डीह का है। युवक का असली नाम निशात रेजा(27) है जो मेहुस थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इसके पास दो कैरेक्टर सर्टिफिकेट भी मिले हैं। एक में निशांत राज पिता राजा बाबू लिखा है। दूसरे में निशात रेजा पिता मोतिउर रहमान लिखा है। मामले का खुलासा तब हुआ जब मठिया डीह की रहने वाली सास ने छतौनी थाने में आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि निशांत राज ने बोला कि मैं पंडित जाति से आता हूं, मुझे रूम चाहिए, मीडिया ऑफिस खोलना है। उसे भाड़े पर रूम दे दिया। निशांत ने पहले मुझे अपने झांसे में लेकर संबंध बनाए, फिर मेरी विधवा बहू के साथ भी संबंध बनाने लगा। उसने हम दोनों के वीडियो बनाए और ब्लैकमेल करने लगा। मकान मालकिन का छोटा बेटा एयरफोर्स में नौकरी करता है। वह 15 दिन पहले अपने घर आया था। बेटे ने देखा कि उस युवक का घर में बार-बार आना जाना हो रहा है। उसने अपनी मां से पूछा तो मां ने कुछ नहीं बताया।

आज 1 दर्जन से अधिक ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार से आने जाने वाली 1 दर्जन ट्रेन आज प्रभावित रहेंगी। इसमें अवध एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेन शामिल है। यात्री सुविधा में उन्नयन एवं परिचालनिक सुगमता हेतु पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल के भैरोगंज एवं खरपोखरा स्टेशन पर नन इंटर लॉक कार्य किए जाने के कारण गाड़ियों के परिचालन में निम्नानुसार बदलाव किया गया है। इनमें बापूधाम मोतिहारी से खुलने वाली 14009 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार टर्मिनस चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस बापूधाम मोतिहारी के बदले बगहा से आनंद विहार टर्मिनस के लिए प्रस्थान करेगी। मुजफ्फरपुर से खुलने वाली 12557 मुजफ्फरपुर- आनंद विहार टर्मिनस सप्तक्रांति एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर- छपरा-गोरखपुर के रास्ते चलेगी। आनंद विहार टर्मिनस से आज खुलने वाली 12558 आनंद विहार टर्मिनस-मुजफ्फरपुर सप्तक्रांति एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलेगी। दरभंगा से आज खुलने वाली 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर- छपरा- गोरखपुर के रास्ते चलेगी। दिल्ली से खुलने वाली 15706 दिल्ली-कटिहार चंपारण हमसफर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलेगी। बरौनी से खुलने वाली 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस आज परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर- छपरा-गोरखपुर के रास्ते चलेगी। रक्सौल से आज खुलने वाली 15273 रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रक्सौल-सगौली-मुजफ्फरपुर-छपरा-गोरखपुर के रास्ते चलेगी । आज गोरखपुर से खुलने वाली 05040 गोरखपुर- नरकटियागंज पैसेंजर स्पेशल का आंशिक समापन बगहा में किया जाएगा।

क्यों नए संसद भवन का उद्घाटन

देश को नया संसद भवन मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुष्ठानपूर्वक इसका उद्घाटन किया। निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक इतिहास का यह एक महत्वपूर्ण पल है। हालांकि पुराने संसद भवन की भी अपनी अहमियत है और रहेगी। वह देश की लोकतांत्रिक यात्रा के संघर्षपूर्ण और चुनौतीपूर्ण ही नहीं, गौरवपूर्ण पलों का भी साक्षी रहा है। आजादी के बाद देश की पहली सरकार के गठन और उसके कामकाज की बात हो या आपातकाल के रूप में लोकतंत्र पर पहले बड़े आघात की या फिर उस हमले को नाकाम करते जनादेश की- हम हर चुनौती से और मजबूत होकर निकलते रहे और हमारा वह संसद भवन हमारी लोकतांत्रिक आभा से चमकता रहा। लेकिन कोई भी समाज और राष्ट्र नए और पुराने के अनवरत मेल से ही आगे बढ़ता है। लगभग एक सदी तक मरम्मत और विस्तार से काम चल गया, लेकिन धीरे-धीरे यह भी स्पष्ट हो गया कि अब सर्वथा नई इमारत की जरूरत है। उस लिहाज से कोविड जैसी प्रतिकूलताओं के बीच जितनी कम अवधि में यह पूरी इमारत तैयार कर ली गई, वह निश्चित रूप से काबिले तारीफ है। हालांकि यह सच है कि इसके निर्माण के समय और तरीके को लेकर शुरू से ही असहमतियां भी रहीं, लेकिन एक जीवित लोकतंत्र में यह कोई अनोखी बात नहीं है। उद्घाटन समारोह से जुड़े कई पहलुओं पर भी हमें अलग-अलग तरह की राय और टिप्पणियां सुनने को मिल रही हैं जो आगे भी चलती रहेंगी। यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है और इसे उसी रूप में लेने की जरूरत है। हां, एक बात जरूर खटकने वाली रही कि ऐसे महत्वपूर्ण मौके पर विपक्ष की मौजूदगी नाम मात्र की ही रही। लगभग समूचे विपक्ष ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। इस बहिष्कार के कारणों से सहमति-असहमति हो सकती है, लेकिन बड़ी बात यह है कि वे कारण समय रहते दूर नहीं किए जा सके, बल्कि उन्हें दूर करने की कोई गंभीर पहल भी दोनों में से किसी पक्ष की ओर से नहीं दिखी। भारतीय लोकतंत्र की यह खूबी रही है कि तमाम मतभेदों और असहमतियों के होते हुए भी हमारा राजनीतिक नेतृत्व जरूरत पड़ने पर उनसे ऊपर उठने की क्षमता रखता है। ऐसे हर मौके पर उसने यह बात साबित भी की है। यह संभवतः पहला ऐसा बड़ा मौका है जिसमें दुनिया के सामने हमारे लोकतंत्र का विपक्षहीन चेहरा दिखा। हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि जो तस्वीर दुनिया के सामने गई वह हकीकत नहीं है। उद्घाटन समारोह में भले ही विपक्ष न दिखा हो, मगर देश में उसकी मजबूत उपस्थिति बनी हुई है। और देखा जाए तो उद्घाटन समारोह से उसकी अनुपस्थिति भी उसके विरोध को और प्रकारांतर से हमारे लोकतंत्र की जिजीविषा को ही रेखांकित कर रही थी। लेकिन फिर भी एक अहम मौके पर विश्व के सामने अपनी एकजुट और संपूर्ण छवि पेश करने में हमारी नाकामी पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए चिंता और चिंतन की बात होनी चाहिए।

मजबूत होते रिश्ते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया यात्रा में चमक-दमक और उत्सव का तत्व जितना महत्वपूर्ण रहा, उतना ही जोर द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती लाने पर भी दिखा। वहां भारतीय मूल के लोगों के भव्य कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज और उनके सहयोगियों के साथ विपक्ष के नेताओं की मौजूदगी ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि दोनों देशों के रिश्ते सरकारों के स्तर से आगे बढ़कर आम लोगों के स्तर तक पहुंच चुके हैं और दिनों-दिन मजबूत होते जा रहे हैं। इसी तथ्य को पीएम मोदी ने क्रिकेट की भाषा में व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के रिश्ते टी-20 मोड में पहुंच चुके हैं। उनकी यह यात्रा क्वॉड देशों की बैठक के मद्देनजर आयोजित हुई थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आने का कार्यक्रम अचानक रद्द होने की वजह से वह मीटिंग हिरोशिमा में ही कर ली गई। ऐसे में पीएम मोदी की यात्रा भी टाली जा सकती थी, लेकिन संबंधों में आती मजबूती का ही एक और उदाहरण कहिए कि बहुपक्षीय से द्विपक्षीय में तब्दील होने के बाद भी दोनों में से किसी भी देश ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा की अहमियत कम नहीं होने दी। पिछले एक साल में मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बानीज अलग-अलग मंचों और मौकों पर छह बार मिल चुके हैं। उनके बीच विकसित हुई पर्सनल केमिस्ट्री का असर न केवल उनकी गर्मजोशी और उनके बॉडी लैंग्वेज में दिखता है बल्कि इस यात्रा के दौरान हुए अहम समझौतों और आगे के समझौतों के लिए बनी सहमति पर भी नजर आता है। बुधवार को दोनों नेताओं ने माइग्रेशन और मोबिलिटी पार्टनरशिप पैक्ट पर दस्तखत किए, जिसका मकसद स्टूडेंट्स, रिसर्चर्स और बिजनेसपर्सन्स को नए अवसर मुहैया कराने के साथ ही अवैध माइग्रेशन पर रोक लगाना है। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन टास्कफोर्स बनाने पर हुई सहमति के साथ ही कॉम्प्रिहेंसिव इकॉनमिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट (सीईसीए) को साल के अंत तक अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता भी काबिले गौर है। अच्छी बात यह रही कि ऑस्ट्रेलिया ने भारत की चिंता को लेकर संवेदनशीलता दिखाई। फिर भी दीर्घकालिक नजरिए से देखा जाए तो देश की एकता और अखंडता से जुड़े मसलों की गंभीरता तो निर्विवाद है, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के आपसी विवादों से जुड़े मसलों को भारतीय कूटनीति के केंद्र में लाना कितना जरूरी और कितना फायदेमंद है, इस पर और विचार किए जाने की जरूरत है।

हिंदी-अंग्रेजी का झगड़ा अब बेमानी लागे

ANALYSIS

बाल मुकुंद

आज सिर्फ दोस्तों की अनौपचारिक मंडली में ही नहीं, कॉर्पोरेट की औपचारिक चिट्ठियों, व्यापारिक पत्राचार और तकनीक की दुनिया में भी इस भाषा में लिखित संवाद हो रहे हैं। इंटरनेट की दुनिया में इन संक्षिप्त रूपों को मान्यता प्राप्त है। इनमें से यदि कोई नवनिर्मित शब्द समझ में न आए तो उसे गूगल कर आसानी से देखा जा सकता है। आज से चार-पांच दशक बाद वाली पीढ़ी के लिए शायद यह जान पाना भी मुश्किल हो कि फोमू किन-किन शब्दों के संक्षेपीकरण से बना है। उसके लिए फोमू ही वह शब्द होगा, जिसके माध्यम से वह अपनी बात कहेगी।

जिस तरह देश की विविध अनुसूचित भाषाओं के लोग यह सोचते हैं कि हिंदी की वजह से उनकी भाषा का प्रभाव कम हो रहा है, उसी तरह हिंदी सेवियों की एक बड़ी तादाद ऐसा मानती है कि अंग्रेजी के कारण हिंदी का प्रसार बाधित हो रहा है। लेकिन खुद अंग्रेजी का क्या हाल है? जब हम एक पूर्ण और सशक्त भाषा की बात सोचते हैं, तो हमारे जेहन में उसके कुछ निश्चित प्रतिमान उभरते हैं। जैसे, उसकी एक विकसित लिपि होगी, ध्वनि संसार होगा, शब्दों का विशाल भंडार होगा। शब्दों की वर्तनी, उनका उच्चारण और अर्थ सुनिश्चित होगा। व्याकरण होगा। उसका अपना साहित्य होगा, जिसे पढ़ने वाले लोग होंगे। और उसे सत्ता (आर्थिक-राजनीतिक) का समर्थन प्राप्त होगा। क्या इन पारंपरिक मानकों पर आज की कोई भी भाषा दावे से खरी उतरती है?

इमोजी का बोलबाला

अंग्रेजी का प्रयोग करने वाली नई पीढ़ी बहुत तेजी से इमोजी की तरफ बढ़ रही है। कोई बात अच्छी लगे तो एक पूरा वाक्य लिखने की जरूरत नहीं है। किसी बात की आलोचना करनी हो और इस तरह से करनी हो कि दूसरा पक्ष आहत न हो, तो उसके लिए कोई अच्छा शब्द ढूंढने की जरूरत नहीं है। यहां तक कि इमोजी से पूरे प्रेम पत्र लिखे जा सकते हैं। हम भाषा के संदर्भ में आर्थिक प्रभुत्व की चर्चा करते हैं। अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कारोबारों और उत्पादों के साथ भी इमोजी इस्तेमाल होने लगे हैं। ऐपल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग, ट्विटर, फेसबुक, एलजी, एचटीसी, बर्गर किंग और पेप्सीको जैसी तमाम कंपनियां इमोजी इस्तेमाल कर रही हैं, और उनके साथ उनके ग्राहक भी।

उनके बीच एक नई भाषा विकसित हो रही है। यानी रोमन लिपि और शब्दों की सही वर्तनी का महत्व खत्म! जब भी कोई नई भाषा विकसित होती है, वह पारंपरिक भाषाओं का दायरा संकुचित करती है। समाज में ऐसे कई तरह के छोटे-मोटे संकेत विकसित होते हैं जो समय के साथ प्रचलन से बाहर हो जाते हैं- यह सोच कर हम इमोजी की भाषा को नजरअंदाज नहीं कर सकते।

यह लोगों के बीच का भाषिक संवाद बदलने का एक नमूना है। इसके और भी पक्ष हैं। जब हम ऑक्सफोर्ड और वेब्स्टर के शब्दकोशों में सही वर्तनी और हिज्जे ढूंढ रहे होते हैं, तब इंटरनेट पर भेजे जा रहे संदेशों में उन शब्दों के संक्षिप्त रूपों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा होता है। वहां सिर्फ आय लव यू के लिए इलू (आयएलयू) और ह्याफियर ऑफ मिसिंग यू के लिए फोमू (एफओएमयू) ही नहीं बन रहा है, एक पूरी शब्दावली विकसित हो रही है, जिसमें बीटुबी (बिजनेस टु बिजनेस), केपीआई (की-परफॉर्मेंस इंडीकेटर), सीपीएम (कॉस्ट पर थाउजैंड) और यूजीसी (यूजर जेनरेटेड कॉन्टेंट) जैसे प्रयोग भी शामिल हैं। ये नए संक्षिप्त शब्द पहले के अनेक शब्दों से बने पूरे फ्रेज को विस्थापित कर देते हैं।

आज सिर्फ दोस्तों की अनौपचारिक मंडली में ही नहीं, कॉर्पोरेट की औपचारिक चिट्ठियों, व्यापारिक पत्राचार और तकनीक की दुनिया में भी इस भाषा में लिखित संवाद हो रहे हैं। इंटरनेट की दुनिया में इन संक्षिप्त रूपों को मान्यता प्राप्त है। इनमें से यदि कोई नवनिर्मित शब्द समझ में न आए तो उसे गूगल कर आसानी से देखा जा सकता है। आज से चार-पांच दशक बाद वाली पीढ़ी के लिए शायद यह जान पाना भी मुश्किल हो कि फोमू किन-किन शब्दों के संक्षेपीकरण से बना है। उसके लिए फोमू ही वह शब्द होगा, जिसके माध्यम से वह अपनी बात कहेगी।

फेसबुक पर हर मिनट 50 लाख से ज्यादा लोग अपनी टिप्पणियां पोस्ट करते हैं और 30 लाख से ज्यादा लोग अपना स्टेटस अपडेट करते हैं। इंस्टाग्राम पर प्रति मिनट करोड़ों की तादाद में पोस्ट किए जाते हैं और मोबाइल से पचास लाख से ज्यादा ट्वीट भेजे जाते हैं। इसी एक मिनट में इंटरनेट की दुनिया में डेढ़ लाख से ज्यादा टेक्स्ट का आदान-प्रदान होता है। हिंग्लिश और चिंग्लिश जैसे नए भाषा रूपों ने अंग्रेजी के व्याकरण की अनिवार्यता को काफी संकुचित कर दिया है। यहां तक कि स्वीडन और फिनलैंड जैसे बाल्टिक देशों के लोग भी अपनी भाषाओं के दायरे से बाहर निकल कर जब कभी टूटी-फूटी अंग्रेजी में संवाद करने की कोशिश करते हैं, तो ज्यादातर वह व्याकरण के नियमों से परे ही होती है। हां, लिपि जरूर रोमन बनी हुई है। नई पीढ़ी तक अंग्रेजी की अपनी वर्तनी बचाने के लिए शिक्षक, संस्थाएं और सरकारें जी तोड़ कोशिशें कर रही हैं। इंग्लैंड, अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, बहामा, जमैका, गुयाना, दक्षिणी अफ्रीका, यहां तक कि एशियाई देशों में भी युवा छात्रों के लिए स्पेलिंग और हिज्जे की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए ट्रॉफियां दी जा रही हैं। लेकिन शब्दकोश, व्याकरण की पढ़ाई और भाषा संरक्षण के तमाम उपायों के बावजूद अंग्रेजी अपने को संभाल नहीं पा रही है।

बदलता हुआ रूप

टेक्नॉलजी और वैश्वीकरण ने आज की सभी भाषाओं की जड़ें हिला दी हैं। भाषाओं के पारंपरिक ढांचे दरकते हुए नजर आ रहे हैं। ब्रिटेन में युवा छात्रों द्वारा अंग्रेजी शब्दों की सही वर्तनी की उपेक्षा और हिंदुस्तान में निरक्षरों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर आए कॉलर नंबर को उनकी आकृति या विशिष्ट रिंग टोन से पहचानने की प्रवृत्ति को अभी तक हम दो अलग-अलग स्थानीय सामुदायिक व्यवहारों की तरह देख रहे हैं। शायद हम इन दोनों के बीच के संबंध को पहचान नहीं पा रहे। ये वैश्विक स्तर पर बहुत तेजी से अपना साम्राज्य बढ़ा रही अंग्रेजी भाषा के मानक रूप के क्षरण के कुछ उदाहरण हैं। लेकिन हमारे भाषाई व्यवहार में ऐसे और भी कई संकेत देखने को मिल रहे हैं। भाषाएं मरती नहीं, वे अपना रूप बदलती हैं, कुछ अवशेषों के साथ। अंग्रेजी भी अपनी लिपि और कुछ ध्वनियों के साथ दूसरी भाषाओं की तुलना में शायद कुछ ज्यादा लंबे समय तक बनी रहे, लेकिन वह अंग्रेजी यह अंग्रेजी नहीं होगी।

कब तक सिर्फ मुसलमान बने रहेंगे नसीर साहब!

नवीन कुमार पांडेय

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह पिछले कुछ सालों से बेचैन हैं। उन्हें लगता है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत में मुसलमानों के प्रति नफरत का माहौल बना और अब तो यह स्थायी हो चुका है। उनका दावा है कि हमारे देश में मुसलमानों से नफरत करना फैशन हो चुका है। स्वाभाविक है कि नफरत करने वाले हिंदू हैं। नसीरुद्दीन शाह के मुताबिक, हिंदू कट्टर हो गए हैं और मुसलमान परंपरा से भोले-भाले हैं। इस कारण भोले-भाले मुसलमानों को हिंदुओं की कट्टरता का शिकार होना पड़ रहा है। जब नसीर साहब ने खुल्लम-खुल्ला मुसलमान की बात कर ही दी और करते रहते हैं तो आज खुलकर चर्चा हो ही जाए- बिना किसी लाग-लपेट के। ये समुदाय, दूसरे समुदाय लिखने की बजाय सीधा-सीधा हिंदू-मुसलमान। आखिर, नसीर साहब जैसी शख्सियत को कोई परहेज नहीं तो फिर उन्हें सच्चाई बताने के पवित्र कार्य में किस तरह की हिचक?

नसीरुद्दीन शाह का नाम बॉलिवुड फिल्मों के उन उम्दा कलाकारों में शुमार है जो अपने दमदार अभिनय से मेरे जैसे करोड़ों लोगों का दिल जीतते रहते हैं। लेकिन लगता है कि सिनेमाई पर्दे पर भूमिका निभाते-निभाते नसीर का असली दुनिया से नाता छूट गया है। उन्हें पता ही नहीं कि भारत में मुसलमान कर क्या रहे हैं। और फिर भारत ही क्यों, दुनिया में उनकी बिरादरी क्या गुल खिला रही है, उससे वो शायद अनजान हैं। मैं उन्हें वास्तविकता से अनजान इसलिए मान रहा हूं क्योंकि मुझे नहीं लगता कि एक सैनिक के परिवार से आने वाले नसीर साहब हककीत जानकर भी इस तरह की बात कर सकते हैं। वो विशिष्ट हैं, इसलिए आम जनजीवन में चल क्या रहा है, लगता है उन्हें सही-सही अंदाजा नहीं है। चूंकि एक बिरादारी जो खुद से, खुद को प्रगतिशीलता का प्रमाण पत्र देती रहती है, वो चीख-पुकार मचाने और तिल का ताड़ करने में माहिर है। चूंकि उस बिरादरी का उद्घोष है कि मुसलमान कभी खराब नहीं हो सकते, इसलिए जब भी हिंदू-मुस्लिम की बात होती है तो नैरेटिव यही बनता है कि सारा दोष हिंदुओं का है। हिंदू बवाली होते हैं और जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है- मुसलमान महान शांतिप्रिय। तो चलिए कुछ तथ्यों से अवगत करवा देता हूं। इस उम्मीद में कि शायद नसीरुद्दीन साहब तक यह पहुंच जाए और उन्हें थोड़ी-थोड़ी ही सही, असलियत का अंदाजा लगना शुरू हो जाए।

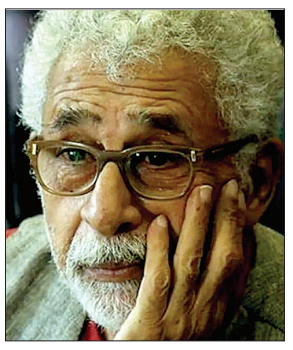

नसीर साहब, दुनिया में अपराध संभवतः सृष्टि की रचना के साथ ही शुरू हो गया था और विश्व के विनाश होने तक यह रहेगा। लेकिन कुछ अपराध पर आपकी कौम का कॉपीराइट है नसीर साहब। मसलन, खाने में थूकना, धर्म छिपाकर धोखे से गैर-मुसलमान लड़कियों को झूठे प्यार के जाल में फांसना, उनका धर्म परिवर्तन करवाना, रेप करना, सिर्फ धार्मिक कट्टरता के कारण हत्या करना क्योंकि उन्हें लगता है कि काफिरों को जीने का हक नहीं। नसीर साहब, एक मुसलमान महिला का हाल ही में वीडियो आया है जो बाल्टी में पेशाब कर-के घर में पोंछा लगा दिया। कल्पना कर सकते हैं कि कोई इतना नमक हराम हो सकता है, जिस घर से उसके बच्चे पल रहे हैं, उसी घर को अपवित्र कर दें! फिर पाकिस्तान से लेकर सीरिया तक क्या हो रहा है और क्या हुआ, यह तो आप जानते होंगे क्योंकि ये मामले अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बटोरते रहते हैं। सीरिया में जिहादियों ने कैसे यजीदी लड़कियों को गुलाम बनाया, उन्हें सेक्स स्लैव बनाया, उनके साथ क्या-क्या ज्यादतियां नहीं कीं? जिस अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन को मुसलमान दिन-रात, पानी पी-पीकर गालियां देते हैं, वहां जान जोखिम में डालकर भी कैसे घुसपैठ कर रहे हैं और जिन इलाकों में रहते हैं, वहां की हालत कैसे देखते-देखते बदल जाती है। ताजा-ताजा रिपोर्ट स्पेन की है। वहां की पुलिस ने कहा है कि पाकिस्तान से आ रहे मुसलमान बड़े-बड़े खतरों का सबब बन रहे हैं।

खैर, चलिए आप कहेंगे हमें क्या लेना-देना पाकिस्तान और सीरिया या स्पेन से। हम भारतीय हैं, भारत की बात करो। तो भारत की ही बात कर लेते हैं। जब आप इंटरव्यू में यह कह रहे होंगे कि भारत में मुसलमानों से नफरत फैशन हो गया है, लगभग उसी वक्त एक मुसलमान ने देश की राजधानी में सरेआम एक हिंदू लड़की को 21 बार चाकू घोंपा और जब लड़की अधमरी होकर सड़क पर गिर गई तो उस पर लगभग 10 बार पत्थर उठाकर पटका। लड़की का नाम साक्षी है और कलावा बांधकर, रुद्राक्ष पहनकर खुद को हिंदू साबित करके उसे फंसाने की कसम खाया लड़का साहिल। साक्षी के पिता ने साहिल की बर्बरता बताते हुए कहा कि उसके बार-बार पत्थर पटकने से साक्षी के सिर के चार टुकड़े हो गए जबकि पेट के अंदर से आंत-वांत सब निकल गया। इतनी विभत्स हत्या, ऐसा क्रूर कृत्य! आप तो कहेंगे- इसमें हिंदू-मुसलमान ढूंढना ही गलत है। ऐसा करने वाले ही अपराधी हैं। नसीर साहब, हमें अपराधी बताने से पहले यह तो सोच लीजिए कि एक मुसलमान कलावा और रुद्राक्ष पहनकर क्या जता रहा था? नसीरुद्दीन शाह, इसका जवाब देने से पहले कलावा बांधे मुसलमानों की कारगुजारियों पर गौर कर लीजिएगा। एक मुसलमान पाकिस्तान से भी आया था कलावा बांधकर। आपके ही शहर मुंबई में क्या कहर ढाया था, कम-से-कम उसका तो पता होगा आपको?

Social Media Corner

सच के हक में...

आज झारखण्ड के नौनिहालों के लिए ऐतिहासिक दिन है। आज राज्य की स्कूली व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने की ओर पहला कदम बढ़ाया गया है। उत्कृष्ट विद्यालयों की यह श्रृंखला पंचायतों तक जाएगी। राज्य में शुरू हो रहे इन उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना में तत्कालीन शिक्षा मंत्री स्व जगरनाथ महतो जी का निरंतर प्रयास रहा। राज्य की शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो, कोई गरीब संसाधनों के अभाव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से दूर न रहे, यही हमारी प्राथमिकता है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

झारखंड में एक ही आयोग का अब तक गठन हुआ है- झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग। आयोग का काम कायदे से उन बच्चों के हित में काम करना है जिन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है। परंतु, आयोग से दो लोग- अध्यक्ष और एक माननीय सदस्य एक के बाद एक रांची के सभी प्रतिष्ठित स्कूल में जा रहे है। जहां पहले से ही बच्चे सुरक्षित है, ऐसे प्रतिष्ठित स्कूलों में जाने का क्या औचित्य है? पहले डीपीएस, फिर डीएवी हेहल, फिर डीएवी श्यामली प्रतिष्ठित विद्यालय डीएवी श्यामली में आयोग के लोग जबरन प्रिंसिपल के चैम्बर में घुसने का प्रयास करने लगे, और जब प्यून ने रोका तो गरीब प्यून के ऊपर बदतमीजी का केस करके उसको थाने का धौंस दिखाया गया। मुख्यमंत्री जी। संज्ञान लीजिए, आपके सरकार की बदनामी हो रही है!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

चीता प्रोजेक्ट पर सवालिया निशान उठने लगा

मध्य प्रदेश के कूनो नैशनल पार्क में मादा चीता ज्वाला के एक-एक कर तीन शावकों की मौत ने जहां वन्य जीव प्रेमियों को मायूस किया है, वहीं साउथ अफ्रीका से चीते लाकर भारत के जंगलों को आबाद करने के इस प्रॉजेक्ट को सवालों के घेरे में भी ला दिया है। इस महत्वाकांक्षी प्रॉजेक्ट के तहत नामीबिया से 20 चीते लाए गए थे और यहां आने के बाद 27 मार्च को ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। लेकिन पिछले छह महीने में पहले तीन चीतों की मौत हुई और फिर तीन शावक भी जीवित नहीं रह सके। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे प्रॉजेक्टों का मूल्यांकन करते हुए जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचा जाना चाहिए। न तो एकाध चीतों का जन्म इन प्रॉजेक्टों की सफलता का सबूत होता है और न कुछ चीतों की मौत इनकी नाकामी का ऐलान। इसके बावजूद अगर इन मौतों ने जीव विज्ञानियों के बीच चिंता पैदा की है तो उसकी वजह इन मौतों के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे कारकों में देखी जा रही है। मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को हुई इन मौतों का कारण गर्मी, कुपोषण और उपचार के प्रयासों पर इनका कोई रेस्पॉन्स न देना बताया है। क्या इसका मतलब यह है कि इन चीतों और शावकों के लिए यहां का मौसम और परिवेश अपेक्षा से कहीं ज्यादा प्रतिकूल साबित हो रहा है? जानकारों के मुताबिक, आम तौर पर संरक्षित क्षेत्र में चीते के शावकों का सरवाइवल रेट काफी अच्छा होता है।

इस उम्र में शावकों के लिए सबसे पौष्टिक आहार मां का दूध होता है। करीब दो महीने की उम्र के ये शावक अगर कमजोर थे तो क्या इसका मतलब यह है कि उन्हें मां का पर्याप्त दूध नहीं मिल रहा था और अगर यह सच है तो क्या इसके पीछे कारण यह है कि मां में पर्याप्त दूध बन ही नहीं रहा था? इन सवालों के प्रामाणिक जवाब मिलने इसलिए भी मुश्किल हैं क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि इन शावकों और मादा चीता पर कैसे और कितनी नजर रखी जा रही थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, चीता शावकों के पालन-पोषण में इंसानी दखल एक सीमा से ज्यादा नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे इनकी शिकार करने की क्षमता प्रभावित होती है। चूंकि इन्हें वन्य जीव के रूप में विकसित होना है, इसलिए इन्हें प्रतिकूलताओं से खुद जूझना और उनसे पार पाना सीखने देना बेहतर माना जाता है। बहरहाल, यह प्रॉजेक्ट शुरू हो चुका है, इसलिए जरूरी है कि हर छोटी-मोटी बात पर इसे कामयाब घोषित करने या नाकाम करार देने की प्रवृत्ति से बचा जाए। दीर्घकालिक नजरिया अपनाते हुए इस प्रयोग को सही ढंग से आगे बढ़ाया जाए तो इसकी कामयाबी ही नहीं, नाकामी से जुड़े पहलुओं के भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक हो सकते हैं जो आगे दुनिया भर के जीव विज्ञानियों का मार्गदर्शन करें।

I WANT TO SAY...

युवा पीढ़ी को ये क्या हो गया है। एक ही दिन ऐसी जघन्य हत्याओं का मामला आया कि किसी का भी दिल दहल जाए। दिल्ली के शाहाबाद डेरी इलाके में एक सिरफिरे आशिक ने किशोरी की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। चाकुओं से ताबड़तोड़ गोदा। उससे मन नहीं भरा तो पत्थर से कई बार वार कर किशोरी का सिर कूच दिया। दूसरी घटना अपने ही राज्य के गढ़वा जिले के रमना थाना क्षेत्र की है। यहां भी एक युवती की हत्या चाकू गोदकर कर दी गई। मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार किशोरी की उम्र महज 17 वर्ष थी तो युवती 27 साल की थी। ये घटनाएं बताती हैं कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। ऐसा लगता है कि बर्दाश्त करने की क्षमता खत्म होती जा रही है। इस तरह की ये घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। इससे पहले भी ऐसी सनसनीखेज घटनाओं ने लोगों को झकझोरा है। दरअसल, इसमें बदलती सामाजिक संरचना का भी है। परंपरागत संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। बढ़ते एकल परिवारों में बच्चों की परवरिश में संस्कार का अंश कम होता जा रहा है। रही सही कसर सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है। नतीजा यह हो रहा है कि थोड़ी समझ बढ़ते ही बच्चे मनमानी करने लग रहे हैं। अभिभावकों का डर या प्रभाव का असर नहीं पड़ रहा है। शुरूआत में बच्चों को अधिक लाड़-प्यार और छूट देना अभिभावकों पर भारी पड़ रहा है। अब उनके पास समय भी नहीं है जिससे बच्चों पर नजर रख सकें। उन्हें सुधार सकें। समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो हालात और बदतर हो सकते हैं।

अशोक कुजूर चेरे, दिल्ली।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

आखिरी दो गेंद पर जडेजा के जादू से चेन्नई सुपर किंग्स पांचवीं बार बना चैम्पियन

रायडू और जडेजा ने उठायी आईपीएल ट्रॉफी

अहमदाबाद (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद टीम में जबरदस्त उत्साह देखा गया। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से इस ट्रॉफी का उठाने का अवसर अंबाति रायडू ओर ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को दिया। जडेजा ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी जबकि रायडू ने घोषणा कर दी थी कि इस आईपीएल के बाद वह खेल को अलविदा कह देंगे। रायडू का फेयरवैल बहुत अच्छा रहा। आखिरकार उन्होंने एक बार फिर आईपीएल की ट्रॉफी उठा ली।

सीएसके ने पांचवीं बार आईपीएल का खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी की है। आईपीएल का फाइनल मुकाबला रिर्जव डे पर खेला गया था। बारिश होने के कारण मैच लगभग ढाई दिन तक चला और मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 5 विकेट से जीत हासिल की। इस रोमांचक मैच में सीएसके ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। ऑलराउंडर जडेजा ने 2 गेंदों में 10 रन बनाकर कर टीम को जीत दिलायी। सीएसके की ओर से रुतुराज गायकवाड़ के 26, डेवॉन कॉनवे के 47, शिवम दुबे के 32, अजिंक्य रहाणे के 27, अंबाती रायडू के 19 और रवींद्र जडेजा के 15 रन शामिल रहे। रायडू ने 8 गेंदों में 1 चौका और 2 छक्के लगाये। रायडू ने ऐसे समय में बाजी पलटी जब सीएसके को एक-एक रन बनाना कठिन हो रहा था। रायडू ने मैच के बाद कहा, यह एक फेयरीटेल का अंत है। मैं इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकता था। यह अविश्वसनीय है। यह जीत कुछ ऐसी है जिसे मैं अपने पूरे जीवन के लिए याद रखूंगा। पिछले 30 सालों में मैंने कड़ी मेहनत की है। मैं इस पल के लिए अपने परिवार और अपने पिता को धन्यवाद देना चाहता हूं, उनके बिना मैं आज यहां नहीं होता। रायडू ने मैच के बाद कप्तान धोनी की बात को याद किया। उनसे जब पूछा गया कि मैच से पहले और बाद में धोनी ने उनसे क्या कहा, तो रायडू ने कहा, धोनी मुझसे बोले कि ये जो शॉट तूने मारा है, उसे बुड्ढा होकर भी याद करेगा।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहते हैं प्रणॉय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ी एच.एस प्रणॉय का लक्ष्य विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना है। प्रणय ने इस साल अभी तक शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व में सातवां स्थान हासिल कर लिया है। थॉमस कप जीतने के साथ से ही उन्होंने कई बड़े टूर्नामेंट भी जीत हैं। इस कारण वह यहां तक पहुंचे हैं। उनके लिए पिछला साल काफी अच्छा बीता और इस साल भी उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है हालांकि इस खिलाड़ी के लिए पिछले कुछ साल कठिन रहे थे।

इस खिलाड़ी ने कहा कि साल में 2021-22 में मेरी रैंकिंग 32-33 तक चली गई थी। वहां से शीर्ष-10 में आना काफी मुश्किल था। मैंने पिछले डेढ साल में काफी मेहनत की जिसका मुझे ये फल मिला।

करियर में बहुत सारे मोड़ आये हुए हैं। पिछले साल थॉमस कप भी करियर का एक बड़ा टर्निंग अंक था। टीम के लिए भी और निजी तौर पर मेरे लिए भी। थॉमस कप जीतने के बाद काफी आत्मविश्वास मिला था। इसके बाद बाकी जो टूर्नामेंट मिले उसमें काफी अच्छा परफॉर्म कर पाया। इससे यह पता चलता है कि पिछले साल मेरे खेल में काफी निरंतरता थी। इस टूर्नामेंट से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मेहनत जारी रखने का साहस मिला। पिछले साल थॉमस कप और एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में हमने अच्छा परफॉर्म किया है।

फ्लेमिंग ने मन ही मन मान ली थी हार , खेल में परियों की कहानी अच्छी रही: फ्लेमिंग

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल फाइनल के बाद सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने एक समय हार मान ली थी पर इसके बाद ऑलराउंडर जडेजा ने अपनी असाधारण पारी से टीम को जीत दिला दी। गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में अंतिम ओवर में जीत के लिए सीएसके को 13 रन की जरूरत थी पर टीम शुरुआती चार गेंद में तीन रन ही बना सकी। जडेजा ने इसके बाद मोहित शर्मा की आखिरी दो गेंदों पर एक छक्का और एक चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

फ्लेमिंग ने सुपरकिंग्स के खिताब जीतने के बाद कहा,'' वे कहते हैं कि खेल में परियों की कोई कहानी नहीं होती पर आज बहुत अच्छी कहानी थी। पिछले 18 महीने थोड़े मुश्किल रहे, क्योंकि कप्तानी मुश्किल थी, चोट की समस्या थी, जडेजा ने खेल से बाहर थोड़ा समय बिताकर वापसी की और टेस्ट टीम में जगह बनाई और फिर सीएसके की टीम में।

मोहित की अंतिम दो गेंद पर जडेजा की शानदार बल्लेबाजी से पहले फ्लेमिंग ने मन ही मन हार मान ली थी। फ्लेमिंग ने तब कहा, ''हम आखिरी गेंद पर फाइनल हारे हैं जो दिल तोड़ने वाला रहा है। मैं खुद को एक बार फिर दिल टूटने के लिए तैयार कर रहा था जब जडेजा ने छक्का लगाया और इसके बाद दिल भी टूट सकता था और खुशी भी मिल सकती थी, मैं सुनिश्चित नहीं था। उन्होंने कहा, '' लेकिन जब मैंने देखा कि गेंद बाउंड्री की ओर जा रही है तो यह परम आनंद का अवसर था। यह प्रतियोगिता आपको ऐसे भावनात्मक स्तर तक ले जाती है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। फ्लेमिंग ने जडेजा की जमकर तारीफ की।

शरीर साथ नहीं दे रहा पर प्रशंसकों के प्यार को देखते हुए अगले साल भी खेलूंगा: धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टीम की खिताबी जीत के बाद कहा कि अब उनका शरीर साथ नहीं दे रहा पर प्रशंसकों के दबाव को देखते हुए उन्हें खेलना पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इस सत्र की शुरूआत से ही उनका शरीर साथ नहीं दे रहा था। आईपीएल से संन्यास की अटकलों पर धोनी ने कहा कि दर्शकों के प्यार को देखते हुए उन्हें तोहफा देने के लिये वह अगले सत्र में फिर खेलेंगे। इस सत्र की शुरूआत से ही अटकलें लगाई जा रही थी कि यह धोनी का आखिरी सत्र होगा। हर मैदान पर दर्शकों ने उन पर जिस तरह से प्यार लुटाया , उससे इसकी संभावना और प्रबल होती नजर आ रही थी कि वह आगे भी खेलें। गुजरात टाइटंस पर फाइनल में पांच विकेट से जीत के बाद धोनी से जब पूछा गया कि क्या यह उनका आखिरी सत्र है, उन्होंने कहा ,'' अगर हालातों को देखे तो मेरे लिये संन्यास लेने का यह सर्वश्रेष्ठ समय है। मेरे लिये यह कहना बहुत आसान है कि अब मैं विदा ले रहा हूं क्योंकि अगले नौ महीने तक कड़ी मेहनत करके लौटना और एक सत्र और खेलना बेहद कठिन है।

उन्होंने कहा ,'' शरीर को साथ देना होगा। सीएके के प्रशंसकों ने जिस तरह से मुझे प्यार दिया, यह उनके लिये मेरा उपहार होगा कि मैं एक सत्र और खेलूं। उन्होंने जो प्यार और जज्बात दिखाये हैं, मुझे भी उनके लिये कुछ करना चाहिये। धोनी ने कहा ,'' यह मेरे कैरियर का अंतिम दौर है। यहीं से शुरूआत हुई थी और पूरा स्टेडियम मेरा नाम ले रहा था। ऐसा चेन्नई में भी हुआ था पर मैं वापसी करके जितना खेल सकता हूं, खेलूंगा।

शुभमन , यशस्वी हैं भारतीय क्रिकेट में नये सितारे : पीटरसन

मुम्बई । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट में नये सितारे बनकर उभरेंगे। पीटरसन के अनुसार टीम प्रबंधन को अब अधिक समय बिताये बिना ही इन दोनो को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अवसर देने चाहिये क्योंकि ये दोनो ही तकनीकी रुप से कुशल हैं। पीटरसन ने कहा, शुभमन और यशस्वी भविष्य में भारत के शीर्ष क्रम के सितारे होंगे। मेरा मानना है कि एकदिवसीय क्रिकेट में ये दोनो ही बेहद सफल रहेंगे। इन्हें तत्काल टीम में जगह दी जानी चाहिये। शुभमन ने अब आईपीएल 2023 के 13 मैचों में 576 रन बनाए हैं। पीटरसन ने कहा कि वे पूर्ण सितारे हैं जो आने वाले समय में महान सितारे बनेंगे। पीटरसन ने कहा, आईपीएल युवा खिलाड़ियों को तीन चीजें देता है। यह उन्हें खेलने का अवसर देता है, यह उन्हें दुनिया भर के प्रशंसकों के सामने एक मंच देता है। स्टेडियम भरे हुए हैं, सब कुछ व्यस्त है, और यह उच्च तीव्रता वाला है। यदि आप इसमें सफल हो जाते हैं तो आपकों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह मिलना तय है।

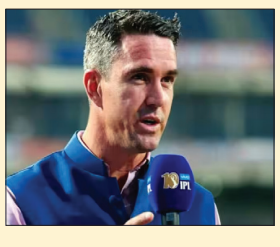

रहाणे अब फिर जोश से भरे हैं : कार्तिक

मुम्बई । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर फार्म हासिल करने के लिए बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की तारीफ की है। कार्तिक के अनुसार रहाणे को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिए टीम में जगह मिलना खुशी की बात है। रहाणे ने आईपीएल 2023 और घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया में वापसी की है। कार्तिक ने कहा, मुझे लगता है कि उसने अपना जोश वापस पा लिया है। वह अच्छी लय में है, उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह हमेशा से ही भारत के बाहर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता है। यह छह से आठ महीने टेस्ट क्रिकेट में उसके करियर के लिए बहुत अहम होने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, जब वह वापस आया तो उसने सीएसके के लिए बहुत अच्छा किया। जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की है, उसने जो इरादा दिखाया है, वह एक अच्छी मानसिकता दिखात है और यह कुछ ऐसा है जो बल्लेबाज के लिए बहुत अहम है

रहाणे को सीएसके ने 2023 मिनी-नीलामी में आधारमूल्य पर खरीदा था। बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी और रहाणे ने इसका भरपूर लाभ उठाते हुए नंबार तीन पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीन सौ से अधिक रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 170 के करीब रहा।

एशिया कप 2023: अब पाकिस्तान में नहीं बल्कि इस देश में हो सकता है एशिया कप, अंतिम फैसला होना बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 के आयोजन को लेकर अभी तक स्थिति साफ नहीं हो सकी है। पाकिस्तान में पास इसकी मेजबानी है। हालांकि, भारत ने पाकिस्तान का दौरा करने से साफ तौर पर मना कर दिया था। इसी के बाद से एशिया कप को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है। भारत को श्रीलंका और बंग्लादेश जैसे क्रिकेट बोर्ड का भी समर्थन मिला है। वहीं, पाकिस्तान हर हाल में एशिया कप की मेजबानी अपने पास रखना चाहता है। लेकिन अब उसे झटका लगता दिख रहा है।

कहानी में आया नया मोड़

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने खुलासा किया है कि वह एशिया कप 2023 की मेजबानी की दौड़ में शामिल हो गयी हैं। यह पाकिस्तान के लिए एक झटका है, जो पिछले कुछ समय से हाइब्रिड मॉडल में मल्टी-टीम टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए तैयार था। रविवार को आईपीएल के धुल चुके अंतिम दिन के मौके पर, सभी एसीसी सदस्य मिले। पीसीबी प्रतिनिधी इसमें सामिल नहीं थे। बीसीसीआई ने नवीनतम हाइब्रिड मॉडल से इनकार किया। यह या तो कोलंबो में हो या नहीं हो। पीसीबी के ताजा प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

हाइब्रिड मॉडल क्या था

उस प्रस्ताव में, पीसीबी ने सुझाव दिया था कि जहां कुछ मैच पाकिस्तानी सरजमीं पर होंगे, वहीं भारतीय टीम यूएई में सभी मैच खेलेगी। यहां रसद के संबंध में यह एक जटिल प्रक्रिया है, भारतीय बोर्ड ने इसे स्वीकार नहीं किया। लेकिन इसे खारिज कर दिया गया है। एसएलसी के एक शीर्ष अधिकारी ने खुलासा किया है कि बोर्ड पीसीबी के बजाय एशिया कप 2023 की मेजबानी करने के लिए तैयार है, और गेंद अब अंतिम फैसला करने के लिए एसीसी के पाले में है। एसएलसी अधिकारी ने यह भी कहा कि वे 'बीसीसीआई के साथ जाएंगे।

आईसीसी को डब्ल्यूटीसी मुकाबले में स्टेडियम भरा रहने की उम्मीदें

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उम्मीद है कि अगले माह सात जून से लंदन में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले के लिए ओवल मैदान दर्शकों से भरा रहेगा। इस मुकाबले के लिए आईसीसी ने एक 'रिजर्व दिन भी रखा है जिससे मौसम खराब होने पर खेल को इस इस दिन कराया जा सके। आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, ''हम स्थानीय आयोजन समिति (ईसीबी) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जिससे यह पक्का किया जा सके कि यह दर्शकों के लिये शानदार मुकाबला रहे। हमें कम से कम पहले चार दिन तक पूरी तरह से स्टेडियम भरे होने की उम्मीद है। अब तक हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें एक दूसरे के सामने होंगी जिससे दर्शकों में इस मुकाबले को लेकर काफी ज्यादा उत्साह है। यह शानदार मुकाबला होगा। खान ने कहा, ''हम उम्मीद कर रहे हैं कि मौसम साफ रहे और बारिश न हो जिससे हमें सभी पांच दिन में अच्छा क्रिकेट देखने को मिले, हालांकि हमने बारिश के खतरे को देखते हुए भरपायी के लिए एक 'रिजर्व दिन रखा है। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि डब्ल्यूटीसी के वर्तमान तरीके में कोई बदलाव नहीं होगा और यह इसी तरह जारी रहेगा।

कॉनवे ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत करार दिया

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल मुकाबले में सबसे अधिक रन बनाकर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले डेवोन कॉनवे ने इसे अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता बताया है। इस मैच में कॉनवे ने पारी की शुरुआत करते हुए 25 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्को की मदद से 47 रन बनाये। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। मैच के बाद कॉनवे ने कहा कि यह उनके करियर की सबसे बड़ी जीत है। कॉनवे ने कहा, बारिश के कारण इंतजार करने में लंबा समय था, बहुत नर्वस था पर रुतुराज गायकवाड़ और मैंने योजना बनाई कि हम इसके बारे में कैसे जाएंगे। निजी तौर पर यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। आईपीएल फाइनल, इससे बड़ा कुछ नहीं होता। इसके साथ ही बल्लेबाजी कोच माइक हसी को भी जीत का श्रेय जाता है। उनके साथ होना अच्छा रहा है। बारिश से बाधित मैच में डकवर्थ लुईस नियम के अनुसार चेन्नई के लिए 15 ओवर में 171 रनों का लक्ष्य का पीछा करते हुए कॉनवे ने 25 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 47 रन बनाए, जबकि उनके जोड़ीदार रुतुराज गायकवाड़ ने 16 गेंदों में 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 26 रनों की पारी खेली।

रायुडू को टेस्ट खेलने का अवसर मिलना चाहिये था : उथप्पा

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अंबाती रायुडू की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर मिलना चाहिये था। उथप्पा ने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी है। उथप्पा ने रायुडू की प्रशंसा करते हुए कहा, वह भारत के अब तक के सबसे अंडररेटेड क्रिकेटरों में से एक है। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए था, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि उसने खेल नहीं खेला। वह एक खेल का चतुर छात्र, जो खेल को अंदर से जानता है। वह पूर्ण टीम मैन टीम है जो लिए कुछ भी करेगा। हर टीम उसे पसंद करेगी। मैंने उसे अपने जूनियर दिनों की उम्र से देखा है। वह जूनियर क्रिकेट के माध्यम से क्रिकेट पर हावी थे। उनका संन्यास मेरे लिए निराशाजनक है। रायडू ने भारत के लिए 55 एकदिवसीय मैच खेले और 3 शतक लगाए, और 6 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच भी खेले, जबकि उन्होंने 203 इंडियन प्रीमियर लीग मैच खेले। रायुडू ने आईपीएल में एक शतक सहित 4329 रन बनाए हैं। इस क्रिकेटर ने पहले मुम्बई इंडियंस और फिर सीएसके की ओर से खेला है।

खिलाड़ियों को बचाने खेल संगठन स्वतंत्र सुरक्षा उपाय करें : बिंद्रा

-पहलवानों से हुए व्यवहार से दुखी होकर सो नहीं पाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने पहलवानों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की दमनकारी कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि ये बेहद दुखद है। बिंद्रा ने कहा कि जिस प्रकार पहलवानों से व्यवहार किया गया उसे देखकर वह रात भर सो नहीं पाये। उन्होंने साथ ही कहा कि विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने के दौरान पुलिस द्वारा धक्का-मुक्की को रोकने के लिए खेल संगठनों को स्वतंत्र रुप से सुरक्षा उपाय करने चाहिये। दिल्ली पुलिस ने रविवार को जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पदक विजेता पहलवानों के साथ धक्का-मुक्की की थी और उन्हें हिरासत में ले लिया था। इस दौरान पुलिस ने जंतर मंतर पर उनके धरना स्थल पर लगे टेंट को भी हटा दिया था।

इस दौरान पुलिस ने बजरंग पुनिया व साक्षी मलिक और एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता विनेश फोगाट और उनकी बहन संगीता फोगाट से भी धक्का-मुक्की कर उन्हें घसीटकर बस में डाला था। इसके बाद उन्हें दिल्ली के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया और देर रात तक वहीं रखने के बाद छोड़ा गया। बिंद्रा ने कहा, पिछली रात नींद नहीं आई, मेरे साथी पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के बल प्रयोग की बर्बर तस्वीरों से परेशान था। यह सही समय है कि हम सभी खेल संगठनों में स्वतंत्र सुरक्षा उपाय स्थापित करें। बिंद्रा ने कहा, हमें यह तय करना चाहिए कि यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो उनसे अत्यंत संवेदनशीलता और सम्मान के साथ निपटा जाए। प्रत्येक एथलीट एक सुरक्षित और सशक्त वातावरण का अधिकारी है।

गौरतलब है कि महिला पहलवान साक्षी मलिक, जिन पर कथित तौर पर दंगा करने और सार्वजनिक सेवक को ड्यूटी के निर्वहन में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है, ने सोमवार को विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के साथ नए संसद भवन की ओर मार्च करते हुए अपने और साथी पहलवानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर निराशा जताई। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, दिल्ली पुलिस को लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने वाले बृजभूषण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में 7 दिन लग गए और शांतिपूर्वक विरोध करने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में 7 घंटे भी नहीं लगे। स प्रकार से खिलाड़ियों पर हो रहे अत्याचार को पूरा विश्व देख रहा है।

धैर्यपूण रवैये के कारण बड़ी पारी खेल पाया : सुदर्शन

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने कहा है कि धैर्य से खेलने के कारण ही आईपीए फाइनल में वह चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ 47 गेंदों में 96 रनों की पारी खेल पाये थे। सुदर्शन ने कहा कि मानसिक मजबूती से भी उन्हें लाभ मिला। सुदर्शन ने इस मेच में आठ चौकों और छह छक्कों की सहायता से 96 रन बनाए। सुदर्शन ने मैच के बाद कहा, ''मैंने पिछले मैच में बहुत अधिक दबाव महसूस किया थे। तब मुझे इस बात का अहसास हुआ कि अधिक धैर्य से कहीं बेहतर बल्लेबाजी की जा सकती है और मुझमें बहुत बेहतर करने की क्षमता है। मैं इस मैच में कहीं अधिक धैर्य के साथ खेला। सुदर्शन ने कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालीफायर दो में 43 रन के स्कोर पर रिटायर्ड आउट होना 'व्यक्तिगत रूप से चिंताजनक था पर उन्हें पता था कि यह टीम का फैसला था। उन्होंने कहा, ''निजी तौर पर यह निश्चित रूप से चिंताजनक था लेकिन यह टीम का फैसला था और जिस तरह से तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बाद हमारे बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे थे, वे इस सत्र में आक्रामक रहे हैं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से टीम का फैसला था। यह निश्चित तौर पर टीम के हित में था और मैं शत प्रतिशत इसके साथ हूं।

अदा शर्मा ने बॉलीवुड में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन पर साधा निशाना

द केरला स्टोरी एक्ट्रेस अदा शर्मा हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं। इस दौरान उन्होंने तमाम को-एक्टर्स के साथ काम किया है। हालांकि, एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के एक बात बिल्कुल पसंद नहीं है कि यहां लिंग के आधार भेदभाव किया जाता है। अदा ने बताया कि शूटिंग के दौरान एक्ट्रेसेस को सेट पर पहले बुला लिया जाता है, वहीं एक्टर्स देर से आते हैं।

डायरेक्टर अच्छा हो तो काम में मजा आता है

सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में अदा ने कहा- 'ऐसा नहीं है कि उन्हें किसी खास फिल्म इंडस्ट्री में काम करने में मजा आया। मैंने नॉर्थ और

आपका डायरेक्टर अच्छा है, तो भाषा चाहे जो भी हो, सब कुछ अच्छा होता है। काम में मजा आता है। लेकिन अगर आपका डायरेक्टर अच्छा नहीं है, तो काम अच्छी तरह से नहीं हो सकता।'

समान वेतन से पहले लैंगिग भेदभाव के बारे में बात करनी चाहिए

अदा ने आगे कहा- मैं सभी जगहों पर अच्छे, बुरे और बेहद खराब लोगों से मिली हूं। लेकिन मेरा मानना है कि बॉलीवुड में वेतन की समानता की मांग करने से पहले लोगों को इंडस्ट्री में लैंगिग भेदभाव के बारे में बात करनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा- 'मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि वो पहले लड़की को सेट पर बुलाते हैं और फिर कहते हैं ठीक है, रुको। जब लड़की वहां पहुंच जाती है, तो फिर वो एक्टर के मैनेजर को बुलाते हैं और उसे सेट पर आने के लिए कहते हैं। मैं लिंग के आधार पर भेदभाव महसूस करती हूं, मुझे ऐसे माहौल में काम करने में मजा नहीं आता है।

कमल हासन ने द केरल स्टोरी को बताया प्रोपोगेंडा

कहा मैं ऐसी फिल्मों का समर्थन नहीं करता

विवादों में घिरी द केरला स्टोरी ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करके सिनेमाघरों में दर्शकों को फिर से लाने का काम किया है। अदा शर्मा अभिनीत द केरल स्टोरी अपनी कहानी के साथ-साथ कमाई को लेकर काफी दिनों से चर्चा में है। अदा शर्मा की इस फिल्म की कहानी काफी विवादों में हैं। इस फिल्म पर नेता से लेकर अभिनेता तक कमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं। अदा शर्मा की इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया भी दो पक्षों में बट गया है। एक पक्ष फिल्म की तारीफ करता हुआ नजर आया, तो वहीं विरोधी अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी को प्रोपोगेंडा बता रहे हैं। इसी बीच अदा शर्मा की इस फिल्म को लेकर कमल हासन ने बयान दिया है, जो काफी चर्चा में हैं। अदा शर्मा की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। फिल्म का विरोध होने के बाद भी फिल्म खूब कमाई कर रही है।

अदा शर्मा की द केरल स्टोरी को कमल हासन ने प्रोपेगेंडा बताया है। आईफा अवार्ड्स इवेंट के दौरान मीडिया से बात करते हुए कमल हासन ने कहा कि टैगलाइन लगा देने से कोई फिल्म सच्ची नहीं हो जाती, कहानी का सच्ची होना जरूर है। मैं प्रोपेगेंडा फिल्मों के खिलाफ हूं। कमल हासन के इस बयान ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है। फिल्म का पक्ष लेने वाले लोग साउथ एक्टर कमल हासन का विरोध करते हुए दिखाई दिए। तो कमल हासन के फैंस ने एक्टर का पूरा साथ दिया। अदा शर्मा की अगुवाई वाली द केरला स्टोरी है, जिसका निर्माण विपुल अमृतलाल शाह किया है, को सुदीप्तो सेन ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को बनाने में सिर्फ 28 करोड़ का खर्च आया है और यह फिल्म 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है और इसके लाइफटाइम कारोबार 220 करोड़ से ऊपर रहने का अनुमान है।

वीर सावरकर के किरदार के लिए

रणदीप ने ऐसे घटाया वजन

रणदीप हुड्डा- स्टारर स्वतंत्र वीर सावरकर का टीजर रविवार को उनकी 140 वीं जयंती के अवसर पर लॉन्च किया गया। फिल्म निर्देशक के रूप में रणदीप की पहली फिल्म भी है। कथित तौर पर, उन्होंने इसके लिए 18 किलो वजन कम किया था। एक मीडिया संस्थान से बातचीत के दौरान फिल्म के निर्माता आनंद पंडित ने इस बात का खुलासा किया है कि कैसे वीर सावरकर के किरदार में फिट होने के लिए रणदीप ने अपना बजन घटाया है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से वीर सावरकर का बहुत प्रशंसक रहा हूं, मुझे हमेशा लगता था कि राजनीति में उनका शिकार हुआ है और उन्हें उनका हक नहीं मिला है। उन्होंने आगे कहा कि एक दिन, रणदीप हुड्डा के साथ संदीप सिंह आए मेरे कार्यालय। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर की बायोपिक बनाना चाहते हैं और पूछा कि क्या मैं एक सह निर्माता के रूप में बोर्ड पर आना चाहूंगा। मुझे एक निश्चित मात्रा में आशंका थी, लेकिन जब रणदीप ने खुद बताना शुरू किया कि वे कैसे हैं। फिल्म की परिकल्पना मैं बेहद प्रभावित हुआ। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि कैसे इस फिल्म के लिए रणदीप ने अपना वजन कम किया हैं। उन्होंने कहा कि इस रोल के लिए उन्होंने 18 नहीं बल्कि 26 किलो वजन कम किया था, जब वह संदीप सिंह के साथ मेरे ऑफिस आए थे तब उनका वजन 86 किलो था। वह किरदार में इस कदर डूबे हुए थे और आज तक हैं, कि करने के लिए इसे स्क्रीन पर निबंधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने चार महीनों तक केवल 1 खजूर और 1 गिलास दूध पीकर अपना वजन कम किया था। यहां तक कि उन्होंने अपने बाल भी ठीक उसी हिस्से से मुंडवा लिए थे, जहां वीर सावरकर के बाल नहीं थे। उन्होंने आगे बताया कि हमने महाबलेश्वर के पास एक गांव में शूटिंग की। इसके बात जब उनसे पूछा गया कि फिल्म बनाने से पहले आपने वीर सावरकर के पोते से अनुमति ली थी। उसके जवाब में उन्होंने कहा कि मेरे पास आने से पहले ही रणदीप उनसे मिल चुके थे, लेकिन मैं ऐसा नहीं सोचता हूं कि फिल्म बनाने के लिए अनुमति की आवश्यकता है। सूचना सब पब्लिक डोमेन में है। कल अगर मैं गांधीजी पर कोई फिल्म बनाना चाहता हूं तो मुझे अनुमति की आवश्यकता नहीं है। फिल्म के रिलीज होने के बाद मुझे लगता है कि बहुत अधिक लोग वीर सावरकर के बारे में जानेंगे। वहीं, फिल्म की रिलीज डेट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सितंबर में फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

रणबीर कपूर कर सकते हैं सौरव गांगुली की बायोपिक

जल्द ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बेस्ड फिल्म देखने को मिलेगी। इस साल के अंत तक बायोपिक की शूटिंग शुरू हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मई को प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग सौरव गांगुली से मिलने कोलकाता गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म को लेकर सौरव गांगुली और प्रोड्यूसर्स के बीच डिटेल डिस्कशन हो चुका है। डायरेक्टर ने सौरव गांगुली से उनकी जिंदगी के सबसे दिलचस्प किस्सों पर डिटेल में बात की है। बायोपिक के लिए जरूरी स्क्रिप्ट राइटिंग भी कर ली गई है। फिल्म के स्क्रीनप्ले में सौरव गांगुली की जिंदगी से जुड़ी कई अनसुनी और दिलचस्प कहानियों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में रणबीर कपूर सौरव के किरदार में नजर आ सकते हैं। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक आयुष्मान खुराना का नाम लीड एक्टर के तौर पर सामने आया है। फिलहाल ये तय नहीं है की फिल्म में दादा का रोल कौन निभाएगा। सौरव गांगुली ने कहा कि फिल की स्क्रिप्ट लगभग फाइनल हो गई है। फिल्म का प्रोडक्शन किसी बड़े बैनर के साथ करीब 200 से 250 करोड़ के बजट में हो सकता है।

ऋषभ शेट्टी ने की बेंगलुरु में फिल्म सिटी बनाने की अपील

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म कांतारा के सीक्वल को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर ने फिल्म के सीक्वल पर काम करना भी शुरू कर दिया है। फैंस को भी इस फिल्म के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है। यही नहीं, फैंस भी ऋषभ को स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बेंगलुरु में फिल्म सिटी बनाने की अपील की है। साउथ के दिग्गज अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कांतारा' देकर दर्शकों का मन मोह लिया है। फैंस के बीच उनका स्टारडम भी देखते ही बनता है। फिल्म की सफलता के बाद इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाने के बाद ऋषभ को प्रसारण और सूचना मंत्रालय द्वारा आयोजित 9वीं सेवा, सुशासन गरीब कल्याण नेशनल कॉन्क्लेव में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किए गए थे। इस इवेंट का मुख्य उद्देश्य युवा शक्ति, शक्तिशाली बल पर प्रकाश डाला जा सके था। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत के युवा पूरे देश में एक बदलाव ला सकते हैं। मौके का फायदा उठाते हुए ऋषभ ने बताया कि कैसे उन्हें सरकार से समर्थन मिल रहा है और उन्होंने बेंगलुरु में फिल्म सिटी बनाने का अनुरोध भी किया। ऋषभ ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'दर्शकों तक पहुंचना एक चुनौती है और हमें सरकार से समर्थन मिल रहा है। बेंगलुरु में फिल्म सिटी जैसी कुछ मांगे हैं, उम्मीद है कि इन मांगों को पूरा किया जाएगा और दर्शक भी अपनी पसंदीदा फिल्मों को आसानी से देख सकेंगे।' ऋषभ के इस मांग से उनके फैंस बेहद खुश हैं और उनके इस फैसले की सराहना भी कर रहे हैं। आपको बता दें कि कांतारा की सक्सेस के बाद ऋषभ शेट्टी ने फिल्म के दूसरे पार्ट का एलान कर दिया है। फिल्म के दूसरे पार्ट में कांतारा से पहले की कहानी बताई जाएगी।

आईफा 2023

रितिक रोशन ने विक्रम वेधा के लिए जीता बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

आईफा अवॉर्ड्स 2023 का आयोजन हाल ही में अबू धाबी में किया गया। इस अवॉर्ड्स शो में बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने शिरकत की। वहीं आईफा अवॉर्ड 2023 के विनर्स की लिस्ट भी सामने आ चुकी है। रितिक रोशन ने विक्रम वेधा में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर का खिताब अपने नाम किया

ने फिर लोगों को इम्प्रेस कर दिया। इस सबसे बड़ी अवॉर्ड नाइट पर एक्टर को उनकी एक्शन-ड्रामा फिल्म विक्रम वेधा के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया जोकि वेधा के उनके किरदार के लिए उन्होंने जीता हैं। इस जीत के लिए रितिक रोशन ने खूब वाहवाही बटोरी हैं। कुछ लोग तो वेधा को उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस मानते है। आपको बता दें, रितिक अपने इस कैरेक्टर में जितने खतरनाक लगे थे, उतना ही उन्होंने इसे अकर्षक और एंटरटेनिंग भी बनाया था। इस अवॉर्ड को लेते समय उन्होंने शेयर किया, वेधा ने मेरे अंदर एक ऐसे पागलपन को उजागर करने में मदद की, जिसे मैं नहीं जानता था। तो इसके लिए मैं यूनिवर्स और वेधा का धन्यवाद करता हूं जिसने मुझे उस पागलपन को खोजने और उसे संभालने की ताकत दी। बता दें, रितिक रोशन ने न सिर्फ वेधा की भूमिका निभाई थी, बल्कि किरदार के हर तत्व और उसकी बारीकियों को पूरी तरह से अपने अंदर आत्मसात कर वेधा को जिया था। वेधा को असल रूप देने के लिए रितिक ने कड़ी मेहनत की थी। वेधा के लिए एक्टर ने वॉइस ट्रेनिंग से लेकर जिबरिश बोलने, डायलॉग्स की रिहर्सल तक हर चीज में हिस्सा लिया, 80 के दशक के म्यूजिक पर डांस किया, उसके नेचर को समझा और अपने तौर-तरीकों और बोली को सही करने के लिए खुद को रिकॉर्ड भी किया

बिग बजट की फिल्मों में लीड रोल नहीं मिलते

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी फिल्म जोगीरा सारा रा रा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कॉमेडी अंदाज नजर आ रहा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल है कि उन्हें बिग बजट की फिल्मों में लीड रोल नहीं

इरफान खान जैसे कलाकारों के साथ कोई बड़े बजट की फिल्म नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा, आज इंडस्ट्री में कई औसत दर्जे के एक्टर्स हैं जिन्हें सिर्फ इसलिए अटेंशन मिलता है क्योंकि उनके पास पैसा और पावरफुल दोस्त हैं। उनके ये दोस्त इंडस्ट्री में उनके लिए मौके बनाते हैं और उनका प्रमोशन भी करते हैं। हम भी ऐसे एक्टर्स के खिलाफ कुछ नहीं बोल सकते क्योंकि इनके पास ताकतवर दोस्त हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, चाहे इरफान खान हो या मनोज बाजपेयी, कोई हमारे साथ बड़ी फिल्म नहीं बनाता। इंडस्ट्री में भले ही हमें महान एक्टर बुलाया जाता है पर कोई हम पर 50 करोड़ रुपए तक इन्वेस्ट नहीं करता। जब हम जैसे एक्टर्स मर जाते हैं तो हमें महान बुलाया जाता है पर जीते जी हमें वो इज्जत नहीं मिलती जिसके हम हकदार है। फिल्म निर्माता हमें बड़े बजट की फिल्मों में लीड रोल ऑफर नहीं करते।

मेरी फिल्मों का कोई अजेंडा नहीं होता

हंसल मेहता की गिनती बॉलीवुड के शानदार निर्देशकों में होती है। अब तक उन्होंने कई ऐसी फिल्में और वेब सीरीज बनाई हैं, जो दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ चुकी है। इस बीच हाल ही में उन्होंने अपनी फिल्मों पर खुलकर बात की है। एक नए इंटरव्यू में हंसल ने कहा कि वह न तो किरदारों को जज करते हैं और न ही उनकी कहानी कहने के पीछे कोई एजेंडा होता है। इसके साथ ही हंसल ने यह भी कहा कि उनके द्वारा कहानियां सुनाने का एकमात्र कारण दर्शकों को जज बनने की अनुमति देना है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैं अपना काम बहुत सरलता से करता हूं। मैं अपने कैरेक्टर उनकी परिस्थितियों का आंकलन नहीं करता। मेरी स्टोरी टेलिंग के पीछे कोई एजेंडा नहीं है। मेरे द्वारा कहानियां कहने का सिर्फ एक मकसद यह है कि दर्शकों को जज बनने, चिंतन करने और सवाल पूछने का मौका दिया जाए। मेरी राय में दर्शकों के लिए उन सवालों को उठाना मेरा काम है। उन्होंने आगे कहा कि मेरे काम में दर्शक भी उतने ही सहयोगी होते हैं जितना कि लेखक, अभिनेता और बाकी सब का होते हैं, क्योंकि दर्शकों को इसे देखकर वापस जाना होता है और इसकी कहानी के बारे में सोचकर बाद में अपना फैसला देना होता है। फिल्मों में एक्टर के चुनाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि फोकस कैरेक्टर पर ही होता है। आप जिस शख्स को कास्ट कर रहे हैं, उसमें आपको अपना किरदार दिखना चाहिए। जब मैं कास्टिंग कर रहा होता हूं तो मैं यही देखता हूं। निश्चित रूप से मुझे मुकेश छाबड़ा से मदद मिली है, जो मुझे हमेशा प्रयोग करने और नई चीजों को आजमाने के लिए प्रेरित करते हैं। फिर बेशक मैं इतनी ईमानदारी से कास्ट कर सकता हूं, प्रोड्यूसर्स और उन प्लेटफॉर्म्स को धन्यवाद, जिन्होंने मेरे काम को सपोर्ट किया है। और मुझे उम्मीद है कि यह जारी रहेगा। बता दें कि हंसल इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज स्कूप को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर सामने आया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। यह दो जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जा सकेगी। इसमें करिश्मा तन्ना, मोहम्मद जीशान अय्यूब, हरमन बवेजा और प्रोसेनजीत चटर्जी मुख्य भूमिकाओं में हैं।